



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 31, 1979 (चैत्र 10, 1901)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 1979 (CHAITRA 10, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पार्ट 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मार्च 1979

सं. ए० 32014/2/76-प्रणा०-III—इस कार्यालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 27 नवम्बर, 1978 के अनुग्रह में, केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियमावली, 1962 के तिरम 10 के उपबन्ध के अधीन संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय संदर्भोपाकर सेवा (क० म० रट०० मेवा का ग्रेड 'क') के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी श्री एम० मोहनाराजूण्डन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-1979 से 31-5-1979 तक की अनिवार्य अवधि के लिये स्थायी आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुमाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

बा० ना० सो०
उप-सचिव

(प्रणालीन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(का० एवं प्र० सु० विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं. ए० 19019/1/79-प्रणा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद में श्री बी० के० पाणिप्रही, भा० पु० से० (उडीस 1952) को दिनांक 1-2-1979 के पूर्वात्म में अगले आदेश तक के लिए मंयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुनित विषेष महानिरीक्षक, विषेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 मार्च 1979

सं. एम० 14/74-प्रणा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद से डा० (मिम०) एम० शिवाराम को दिनांक 24 फरवरी 1979 के अपराह्न में अगले आदेश तक के लिये स्थानापन्न उप-निदेशक, केन्द्रीय न्याय-वैधक विकास प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 मार्च 1979

सं० एन० 36/66 प्रश्ना०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद में महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० जे० कानिंक को दिनांक 1-3-1979 (पूर्वात्मा) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

एस० के० आ
उप-निदेशक (प्रश्ना०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 35018/4/78-प्रश्ना०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एवंद्वारा श्री डी० बी० भेडे, गुजरात राज्य पुलिस के निरीक्षक को दिनांक 21-12-78 के पूर्वात्मा से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, माध्यम अपराध संकंध, बब्लई, शास्त्रा में, अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 35018/6/78-प्रश्ना०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एवंद्वारा श्री बी० एस० सेठी, गुजरात राज्य पुलिस के निरीक्षक को दिनांक 18-2-1979 के पूर्वात्मा से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद शास्त्रा में अस्थायी रूप में पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

जर्नल सिह
प्रश्नामन्तिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० पी०-77/68-प्रश्ना०-5—पुनर्नियुक्ति को अवधि समाप्त हो जाने पर श्री पी० पश्चाई, पुलिस उप-अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, ने दिनांक 28-2-79 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० एफ० 1/70-प्रश्ना०-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री ककीर चन्द्र, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएँ दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से हरियाणा राज्य पुलिस को वापस सौंप दी गई।

गिरुदमन सिह
प्रश्नामन्तिक अधिकारी (सेखा०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ओ० दो० 755/70-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल इयूटी आफिसर एड डी) डाक्टर (श्रीमती) कविता बालचन्द्रानी, प्रृष्ठ सैन्टर हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नीमच, का त्यागपत्र दिनांक 8 जून 1978 पूर्वात्मा से स्वीकृत कर दिया।

दिनांक 13 मार्च 1979

सं० ओ० दो० 1106/73-स्थापना—श्री शार० डी० पाण्डे ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 43वीं बाहिनी, के० ए० पु० बल के पद का कार्यभार 28-2-1979 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
महायक निदेशक (प्रश्नामन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 11/1/77-प्रश्ना०-I—इस कार्यालय की तारीख 5-7-1978 की समसंबद्धांक अधिसूचना को अधिकान्त करते हुए राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल में, जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक श्री एस० के० मजूमदार को उन्नर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में महायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर, नियमित आधार पर, अस्थाई तौर पर, तारीख 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वात्मा से अगले आदेशों तक महर्षे नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/1/77-प्रश्ना०-I—इस कार्यालय की तारीख 5-7-1978 की समसंबद्धांक अधिसूचना को अधिकान्त करते हुए राष्ट्रपति, बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक श्री एस० के० पाठक को मणिपुर, इम्फाल में सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, नियमित आधार पर अस्थाई तौर पर तारीख 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वात्मा से अगले आदेशों तक महर्षे नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय इम्फाल में होगा।

सं० 11/1/77-प्रश्ना०-I—इस कार्यालय की तारीख 5-7-1978 की समसंबद्धांक अधिसूचना को अधिकान्त करते हुए राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक श्री बी० डी० शर्मा को संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में, जनगणना कार्य निदेशक, चण्डीगढ़ के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर नियमित आधार पर, अस्थाई तौर पर तारीख 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वात्मा से अगले आदेशों तक महर्षे नियुक्ति करते हैं। उनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय : महाने खाकार, केन्द्रीय राजस्व
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० प्रणास० का० १ आ० 60७/५-८/७७-७९/२५६४—
महाने खाकार ने मूल नियम ३०(१) के परन्तुक के अन्तर्गत
इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एल०
एन० मन्मेना, की, लेखा अधिकारी के पदक्रम में रु 840-
1200 के समय वेतनमान में पूर्वव्यापी प्रभाव सहित पहली
जनवरी, 1979 से अगले आदेशों तक, उपचारात पदोन्नति
का आदेश दिया है।

कौ० टि० छाया

ब० उप महाने खाकार (प्र०)

खान मंत्रालय

महानिदेशालय आर्डनेन्स फैक्टरियां,
भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा,
गुद्धिपत्र

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं०/८ जी०/७९—गजट अधिसूचना संख्या 44/७४/जी,
दिनांक 21-10-1974 में कमसंख्या 1 के सामने की प्रविष्टि
के स्थान पर, नीचे लिखे अनुसार दर्ज किया जाय :—

(१) श्री पी० डी० जोशी, स्थायी प्रबन्धक, 8 जुलाई
1974 (निकटतम नीचे के नियम के अन्तर्गत)

दिनांक 3 मार्च 1979

सं० 9/जी०/७९—बाध्यक्य निवृत्ति आयु (५८ वर्ष)
प्राप्त कर श्री यू० के० दाम, भौतिक एवं स्थायी महायक
प्रबन्धक दिनांक 28-२-१९७८ (अपराह्न) में सेवा निवृत्त
हुए।

सं० 15/७९/जी०—प्रयाग्रह दिनों की स्वीकृत अर्जित
छुट्टी की समाप्ति पर, ५८ वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री
एन० एम० थींग, स्थानापन्न प्रबन्धक (भौतिक एवं स्थायी
उप-प्रबन्धक) दिनांक 30-११-१९७८ (अपराह्न) में सेवा निवृत्त
हुए।

बी० के० भेहता,
महायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक शासुनि एवं महकार्गा मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

आयात एवं नियन्त्रण व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० ६/७६५/६५-प्रणास० (गज०)/२०३०—संयुक्त मुख्य
नियंत्रक, आयात-नियन्त्रि के कार्यालय, बर्बादी में स्थानापन्न नियंत्रक,

आयात नियन्त्रि श्री एम० जी० तलवारको 20 दिसम्बर, 1978
के पूर्वान्त में मरकारी सेवा में पदच्युत किया जाना है।

का० व० शेतांशि,

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियन्त्रि

उद्योग मंत्रालय

(श्रीयोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 फरवरी/३ मार्च 1979

सं० 12(40)/६१-प्रणास० (राजपति)—राजपति, लघु उद्योग विकास संगठन के अधिकारी श्री के० सी० माहा,
जो उप निदेशक (चर्म/पादुका) के रूप में स्थायी थे तथा निदेशक,
ग्रेड-II (चर्म/पादुका) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न
रूप में कार्य कर रहे थे, को निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर
दिनांक 30 नवम्बर, 1978 (अपराह्न) से मरकारी सेवा से
सेवा-निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

महेन्द्र गुप्त,

उप निदेशक (प्रणास०)

इस्पात और खान मंत्रालय

(धान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० ए०-१९०१२ (१०९)/७८-स्था० ए०—श्री एम० एन०
मित्रा, वरिष्ठ नक्कीकी महायक (भूवैज्ञानिक) को दिनांक 20-२-७९
के पूर्वान्त में आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो
में वर्ग “ब” के पद में नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक
खनन भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए०-१९०११ (२५४)/७८-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की मिफारिश में, गाल्प्रति श्री प्रेम श्रीवास्तवा, महायक
खनन भूवैज्ञानी भारतीय खान ब्यूरो, को दिनांक 13-२-७९
के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में
महायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर पदोन्नति की
जाती है।

ए० स० बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष,

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 5 मार्च, 1979

सं० ए०-१९०१२/४३/७८-स्था० ए०—इस विभाग के
ऊपर दण्डिये गये कमांक के अधिसूचना दिनांक 22 नवम्बर, 1978
का अधिकारण करने हुए संघीय लोक सेवा आयोग की मिफारिश

से, श्री डी० एन० धारे, स्थानापन्न उप-पुस्तकाध्यक्ष, भारतीय खान घूरों को दिनांक 7 नवम्बर, 1978 से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न पुस्तकाध्यक्ष के पद पर नियुक्ति की जानी है।

आगा राम कश्यप
प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान घूरों

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० ६(१४०)/६३-ए० क:- महानिदेशक आकाशवाणी, श्री आर० पी० मिश्रा, प्रमारण निष्पादक, आकाशवाणी, मथुरा को, उसी केन्द्र पर, दिनांक 31 जनवरी, 1979 से, अगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरि दत्त खेड़ा
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृष्टि प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० ८०-१२०२६/२०/७८-स्थापना—विज्ञापन और दृष्टि प्रचार निदेशक श्री ओम प्रकाश, स्थायी महायक को 20 फरवरी, 1979 से अगले आदेश तक इस निदेशालय में सुपरवाइजर के पद पर डिप्टीशन नियमों के अनुसार नियुक्त करते हैं।

2. श्री कृष्ण दास, ने सुपरवाइजर के पद 20 फरवरी, 1979 पूर्वाह्न में कार्यमार्ग छोड़ दिया है।

आर० नारायण
उप निदेशक (विज्ञापन)
कृते विज्ञापन और दृष्टि प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ८०-१२०२५/७/८-प्रशासन-I—ग्राम्पुर्णि ने केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा घूरों, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर कार्य कर रहे श्री जे० एस० मंजुल को 25 जनवरी, 1979 की अपराह्न में आगामी आदेशों तक उसी घूरों में उप निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर अस्थाई अधिकार पर नियुक्त किया है।

2. श्री जे० एस० मंजुल ने अपनी नियुक्ति उप निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर हो जाने के परिणाम स्वरूप 25 जनवरी,

1979 की अपराह्न में केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा घूरों, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक निदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद का कार्यमार्ग छोड़ दिया।

आम नाम कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

भारतीय डाकतार विभाग

पत्र सं० पी०-३३९/१००३९
दिनांक 25-१-७९

केन्द्रीय मिविल सर्विसेज (अस्थाई पंचा) नियम 1965 के नियम ५ (१) के अधीन तीव्रता से हटाने का नोटिस।

केन्द्रीय मिविल सर्विसेज (अस्थाई सेवा) नियम 1965 के मध्य स्ल० ५ के अन्तर्गत श्री सोहनलाल भीणा तारवाहक (बाहरी) केन्द्रीय तारघर जयपुर को यह नोटिस देता है कि उसकी सेवाएँ इस नोटिस के वितरण होने की तारीख से एक मास की समाप्ति पर समाप्त (terminate) मानी जावेंगी।

(ह०) अपठनीय
अधीक्षक प्रभारी
केन्द्रीय तारघर, जयपुर-३०२००१

पाषती

मुझे श्राज दिनांक को नौकरी से हटाने का नोटिस मिला।

हस्ताक्षर

पद

स्थान तथा तिथि

कृपि और सिचाई मंबालय
(ग्राम विवास विभाग)

विवास एवं निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 8 मार्च, 1979

सं० ८०-१९०२३/६५/७८-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति ममिति की मिक्रोग्रियों के अनुमार निम्नलिखित अधिकारियों, जों कि नदीय अधिकार पर विभाग अधिकारी (वर्ग I) के रूप में कार्य कर रहे थे, को दिनांक 18-12-78 से अगले आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप में नियमित आधिकार पर विभाग अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है :—

(1) श्री एन० एन० काला राव

(2) श्री उमादत्त पाठ्वे

वी० एल० मनिहार,
निदेशक, प्रशासन
कृते द्वितीय विभाग गोदावरी, भारत गणराज्य

भारती परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

वम्बवद्द, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 7(12)/79-गुष्टीकरण/476—नियंत्रक, भारती परमाणु अनुसंधान केन्द्र, नियन्त्रित अधिकारियों को, इसके द्वारा 1 अप्रैल 1978 में, भारती परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में लेखा। अधिकारी II के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	अधीकारी का पद	यूनिट जिधर अधीकारी का म	बी०ए०आर०सी० में स्थाई पद
1.	श्री के० जी० आर० नायर	लेखा अधिकारी III	बी०ए०आर०सी०	लेखा पाल
2.	श्री वी० रामस्वामी	लेखा अधिकारी III	परमाणु ऊर्जा विभाग	सहायक लेखा अधि-कारी
3.	श्री के० वेंकटनन्न	लेखा अधिकारी III	बी०ए०आर०सी०	लेखा पाल
कु० हे० भ० विजयकर उप-रथा पता अधिकारी				

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

वम्बवद्द-400001, दिनांक 12 मार्च 1979

संदर्भ संख्या डीपम/ए/32011/3/76/संस्थापन/7412—
इसी निदेशालय की समर्स्यक अन्तूबर 1, 1976 की अधिसूचना के संदर्भ श्री जनार्दन तुकाराम नेहरुकर के स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी के पद पर किया गया नियमन दिसम्बर 26, 1978 (अपराह्न) तक प्रतिबन्धित किया गया है।

के० पी० जोशेक,
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजना

वम्बवद्द-400008 दिनांक 12 मार्च 1979

सं० भापा०/स्था०/१/प-२०/116०—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री धनश्याम छग्न भाई पटेल, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) को उसी परियोजना में 25 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से 6 जनवरी, 1979 (अपराह्न) तक के लिए, श्री एम० सी० ठाकुर, महायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न रूप से भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) में प्रशासन-अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायण
विभाग प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

टीएपीपी-401504, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० टीएपीपी/१/१९(३)/७७-यार—इस कार्यालय की तारीख 25-७-१९७८ की समर्स्यक अधिसूचना के अनुक्रम में तारापुर परमाणु विजलीघर के सहायक लेखा अधिकारी श्री जी० डी० बविस्कर की प्रतिनियुक्ति की अवधि एतद्द्वारा 7-११-१९७८ से 6-५-१९७९ तक छह महीने के लिए और बढ़ाई जाती है।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/6/78-ई—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० गणेशन, निदेशक अनुसंधान और विकास को 16 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में उपमहानिवेशक नागर विमानन के पद पर नियुक्त किया है।

हरवंश नाल कोहली
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० ए० 32013/9/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन सहायक नक्कारी की अधिकारियों को उनके नाम के भासने वाले गई तारीखों में तक, जो भी पहले पड़े, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख।
1.	श्री ओ० पी० छावड़ा नक्कारी की अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	3-1-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री सी० ए० ग० मनिक, नक्कारी की अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	1-2-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री के० आर० रामनृजम नक्कारी की अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	1-2-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32013/15/77-ईसी—इस विभाग की दिनांक 23-11-78 की अधिभूतना सं० ए० 32013/15/78-ई सी० का आंगिक संशोधन करते हुए क्रम संख्या 4 के सामने दिए गए इन्द्रजाऊ को निम्न प्रकार संशोधित किया जाए:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
4.	श्री बी० रामकृष्णन्	संचार नियंत्रक का कार्यलय वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
		सत्य देव शर्मा निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 32013/6/76-ईसी—इस कार्यालय की दिनांक 23 अगस्त, 1978 की अधिभूतना सं० ए० 32013/6/76-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमान नियंत्रक के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30-6-1979 तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी है:—

1. श्री प्रनुपम वागची
2. श्री ए० स० मजूमदार
3. श्री ए० ए० ए० फूल
4. श्री ए० ए० ए० महानिंगम
5. श्री ए० क० राय

6. श्री ए० स० पी० सिंह
7. श्री डी० पी० घोष
8. श्री ए० ए० ए० माथुर
9. श्री हरिहर प्रसाद
10. श्री आर० ए० शास्त्री

सुरजीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा-शुल्क समाहरीलय

इलाहाबाद, दिनांक 26 फरवरी 79

सं० 35/1979—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात श्री प्रीतम सिंह स्पाल, मुख्य लेखा अधिकारी ने 31 दिसम्बर, 1978 को दोपहर के बाद अपना कार्यभार छोड़ दिया और वे अधिवर्यता (मुपरानुएशन) की उम्म प्राप्त करने के बाद सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर.) हो गए।

धर्मपाल आर्य
समाहरी
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

पटना, दिनांक 6 मार्च 79

सं० 11(7) 2-स्था०/79/2427—वित्त मंत्रालय के आदेश सं० 172/78 दिनांक 28-10-78 जो फाइल नं० ए० 22012/26/78-एडी-II में निर्गत हुई है के अनुसरण में निम्नलिखित प्राधिकारी महानगर गमाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन सीमा शुल्क

(निम्न वेतनमात्र) / अधीक्षक, सीमा शुल्क शूष 'ख' के स्थान में
निम्न प्रवार कार्यभार ग्रहण किया।

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदस्थापन का स्थान कार्यभार ग्रहण करने की तथि
1.	श्री बी० एम० प्रमाद	महायक समाहर्ता, 27-11-78 केन्द्रीय उत्पाद, पटना (पूर्वांक)
2.	श्री जे० मजुमदार	अधीक्षक, शूष 'ख' 15-11-78 सीमा शुल्क, बीरपुर (पूर्वांक)

दिनांक 8 मार्च 1979

मं० 11(7) 2-स्था०/79/2511—इस समाहतालिय के निम्नलिखित स्थानापन्न समाहर्ता अपनी सेवा की ग्राम्य पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाएँ गए तारीख अनुमार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1.	श्री यू० सी० चटर्जी	महायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद	31-1-79 (अपराह्न)
2.	श्री आर० के० पांडे	वही	28-2-79 (अपराह्न)

डी० के० सरकार
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

बम्बई-400020, दिनांक 27 जनवरी 1979

शुद्धि-पत्र

मं० 11/3ई(ए) 2/78 पार्ट-I—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालिय की दिनांक 22-8-78 की अधिसूचना फा० मं० 11/3ई(ए) 2/78 की क्रम संख्या 10 में कुमारी वी० वी० जोगलेकर द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क परीक्षक के स्थान में कार्यभार संभालने की तिथि को यथा मंगोलित कर 18-1-78 पूर्वांक पढ़ा जाए।

ई० आर० श्रीकण्ठस्या,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई

कानपुर, दिनांक 12 मार्च, 1979

मं० 9/1979—श्री जमशंत भिंह, पुर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग

'ख' एम० ओ० आर० माहिवाबाद, गाजियाबाद 11 मण्डल के पद का कार्यभार दिनांक 31-1-79 (अपराह्न) को श्री भगवान मिह, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० 11 माहिवाबाद, गाजियाबाद 11 मण्डल को सौंप दिया और अधिवर्षना की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-1-79 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए।

इ० ल० रेखी
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मार्च 1979

मं० 3/79—श्री आर० एन० नारायणन ने, जो पहले समाहतालिय मद्रास में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक शूष 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के दिनांक 18-12-78 के आदेश फा० मं० 1041/17/78 के अनुमार स्थानांतरित होने पर, दिनांक 10-1-79 (पूर्वांक) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय के इंदराबाद स्थित मध्य प्रादेशिक यूनिट में, निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) शूष 'ख' का कार्यभार संभाल लिया है।

ए० वी० एन० राव
निरीक्षण अधिकारी

विधि, स्थाय एवं कम्पनी कार्य संचालन

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आकाश चिट फन्ड एन्ड टरेंडिंग क० प्रा० लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1979

मं० 3816/3628—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्डद्वारा सूचना दी गई है कि आकाश चिट फन्ड एन्ड टरेंडिंग क० प्रा० लिमिटेड के विषय में

हर तात्पुर

महायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं
म० एप्रिलों एन्ड इन्डिस्ट्रिकल्म, प्राइवेट लिमिटेड, इल्लौर के मामले में

व्यालियर, दिनांक 9 मार्च 1979

मं० 1028/आर०/8283—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एन्डद्वारा, सूचित

किया जाता है कि इस सूचना के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं ० एग्रिको एण्ड डेलैनिट्रिकल्म प्राइवेट लिमिटेड इन्डोर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, वालियर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1979

सं० जी०/स्टैट/2798/560/12976—यतः मलिक लकी स्कीम एण्ड फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड जिस का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 208 वर्मा बिल्डिंग, चहार बाग, जालन्धर में है का परिभमापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है। मलिक लकी स्कीम एण्ड फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड और यह कि कम्पनी के कार्यालय का पूर्णतया परिभमापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणियां छै क्रमवती मास की अवधि की नहीं दी गई हैं।

यतः अब कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुभरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर मलिक लकी स्कीम एण्ड फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किए जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, और कम्पनी को विवरित कर दिया जाएगा।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिं० प्र० व चण्डीगढ़

कार्यालय, आयकर आयुक्त
बम्बई, दिनांक 16 फरवरी 1979

आयकर राजपत्रित स्थापना

मं० 829—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13वां अधिनियम) की धारा 117 की उपधारा (2) में प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, श्री ही० डी० सोन्दे, आयकर आयुक्त बम्बई नगर-1, बम्बई ने निम्नलिखित आयकर निरीक्षों को आयकर अधिकारी श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन्न हूप से कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

मर्वश्री

1. ए० बी० गव . निरीक्षक 25-11-78 (एफ०एन०)
2. डी० टी० बालानी , 29-11-78
3. पी० एम० प्रीवर्गि , 22-11-78

मर्वश्री

4. जी० जे० तकरेजा निरीक्षक 21-11-78 (एफ०एन०)
5. पी० के० गोमान्-
कुण्डन , 21-11-78
6. बी० टी० सिध्धवे , 21-11-78 (एफ०एन०)
7. कुमारी एम० चंद्रा , 20-11-78 (एफ०एन०)
8. बी० के० मनोन , 21-11-78 ,
9. आर० के० सामै , 20-11-78 ,
10. के० आर० श्री-
निवासन , 20-11-78 ,
11. ए० एन० तिवारी , 20-11-78 ,
12. श्रीमती ए० के०
षडानी , 21-11-78 ,
13. पी० के० धर्मराजन , 21-11-78 ,
14. एन० मी० नायर , 20-11-78 ,
15. श्रीमती ए० जी०
गेनोन , 23-11-78 (एन०एन०)
16. के० एल० लुधवानी , 29-11-78 (एफ०एन०)
17. एम० विजय चंद्रन , 22-11-78 (एन०एन०)
18. पी० बी० राणे , 25-11-78 (एफ०एन०)
19. एस० गणपती अथर्व , 21-11-78 ,
20. पी० आर० नायर , 20-11-78 ,
21. पी० एल० डेविस , 20-11-78 ,
22. जे० सी० हिंदूजा , 21-11-78 ,
23. एल० पी० थोरात , 20-11-78 (एन०एन०)
24. श्रीमती आर० ए०
गुप्ते , 21-11-78 (एफ०एन०)
25. एम० के० पवार , 20-11-78 (एन०एन०)

2. भारत सरकार, वित मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली, के पञ्च एफ० नं० 22/3/6-4-प्रशा०-५ दिनांक 25-4-78 के प्रनुभार वे दो वर्षों की अवधि के लिए परिवीक्षा की अधीन रहेंगे। यदि जल्दी हुआ तो यह परिवीक्षा की अवधि ऊपर लिखी अवधि से शाये भी बढ़ाई जा सकती है। इस पद पर उनके पुन्टी और वा उन्हें रक्षा जाना परिवीक्षा की अवधि के सफल समाप्त पर निर्भर करेगा।

3. उनकी नियुक्तियां बिलभुल अस्थाई और अनंतिम हैं और बिना सूचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

ही० डी० सोन्दे,
आयकर आयुक्त,
बम्बई नगर-1, बम्बई

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० जुरि-दिल्ली/78-79/46955—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निर्देश देते हैं कि दिनांक 2-3-1979 से निम्नलिखित आयकर संकिल बनाया जाएगा।

डिस्ट्रिक्ट 4/11, नई दिल्ली।

सं० जुरि-दिल्ली-5/78-79/47096—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में पहले जारी की गयी अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-5 निर्देश देते हैं कि आयकर

अधिकारी, डिं०४(11) नई दिल्ली का आयकर अधिकारी, डिं०४(6) नई दिल्ली के साथ समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। यह समवर्ती अधिकार क्षेत्र उन व्यक्तियों/मामलों के संबंध में होगा जिनका कार-निर्धारण उक्त आयकर अधिकारियों द्वारा किया जाना है अथवा किए जाने योग्य है। परन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जिनको धारा 127 के अधीन सौंपा गया हो अथवा जो इसके बाद सौंपे जायें।

आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, कार्य-निष्पादन की सुविधाओं के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, 5-सी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अवैक्षित आदेशों को पास करने के लिए भी प्राधिकृत करने हैं।

यह अधिसूचना 2-3-79 से लागू होगी।

[कौ० आर० राघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5
नई दिल्ली

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंत रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० ८० ए० एस० आर०/78-79/136—यतः मुझे
जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का 40 कनाल, 2 मरले गांव
सुन्दर चक तहसील पठानकोट है तथा जो पठानकोट तहसील
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट
तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव अंश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्यन्त की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधितियों प्रधातः:—

1. श्री गुरुदिता पुत्र नव्यु पुत्र श्री कोडा राम नरीट
मिहरा तहसील पठानकोट, जिला गुरदासपुर (अन्तरक)

2. श्री गुप्ता मिह पुत्र श्री देवा सिंह पुत्र मैदना चक
गांव लैहरी बबानी तहसील पठानकोट जिला गुरदासपुर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि क्र० सं० 2 ऊपर 3 पर और कोई किराये-
दार हो तो (वह अविक्त, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि कोई आदमी इस संपत्ति में रुचि रखता हो
तो (वह अविक्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए
कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी आलेप:—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वदी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अप्प अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 40के-2 मरले गांव सुन्दर चक तहसील पठानकोट-
बाइड रजिस्टर्ड डीड 681 दिनांक 13-6-78 रजिस्ट्री-
कर्ता पठानकोट जिला गुरदासपुर में है।

जी० एल० गारू
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजंत रेंज-1, अमृतसर

तारीख: 8-3-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रभाव सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश स० पी० के० डी०/78-79/144—यतः मुझे
जी० एल० गालू

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रभाव सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 मरले (155
वर्ग फुट) है तथा जो कि किमिन रोड, पठानकोट में स्थित
है (ओर इससे उपावद्व अनुसूची में भी पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत
प्रतिशत से अधिक है, ओर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रभाव कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी छूट या अन्य वासितायों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपवाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

1. श्री बलदेव राज कालरा पुत्र श्री गम ख्वा मल
निकट चौक ढांगु, पठानकोट (अन्तरक)

2. डा० अनिष्टा मोहन, पुत्र श्री जगदीश प्रसाद,
निकट फायर ब्रिगेड, दफ्तर मेन बाजार, पठानकोट (अन्तरिती)
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सीरियल नं० 2 ऊपर ओर कोई किरायेदार
हो ना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि ओर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधिनियमः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 मरले (155 वर्ग फुट,
जो कि मिशन रोड, पठानकोट में है जैसा कि रजिस्टर्ड
डीड नं० 522 तिथि 2-6-78 आफ रजिस्ट्रीग्र अथारिटी
पठानकोट में दर्ज है।

जी० एल० गालू
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेज-1, अमृतसर

तारीखः 9-3-79

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश मं० पी० के० टी०/78-79/143--यतः मुझे
जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि 13 मरले (155 गर्व फुट) है तथा जो कि मिशन रोड़, पठानकोट में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर प्रतिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16, के अधीन, तारीख जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौरुपा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी व्रत या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनियों, अर्जातः—

1. श्री बलदेव राज कालरा पुत्र गम ग्वा मल कालरा निकट चौक डांगू पठानकोट (अन्तरक)

2. डा० रवीन्द्र मोहन पुत्र डा० जगदीश प्रमाद निकट फायर ब्रिगेड दफ्तर मैन बाजार, पठानकोट (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किंगयेदार होता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिग्या शेवकल 13 मरले (155 गर्व फुट) जो कि मिशन रोड़, पठानकोट में है जैसा कि रजिस्टर्ड नं० 523 तिथि 2-6-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारिटी, पठानकोट जिना गुरदासपुर में दर्ज है।

जी० एल० गारू

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अमृतसर

तारीख: 9-3-79

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ज़ालन्धर

ज़ालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश नं० पी० नं० 1889—यतः भुजे बी० एस०
दहिया

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी नं० ३० जैसा कि अनुभूची में है तथा जो गांव
लरोह में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुभूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
ज़ालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं निया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उससे नचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्ति अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहीतः:—

1. (1) श्री मंत्री मिह पुत्र माधू मिह
(2) बनबोर मिह, (3) अनूप मिह पुत्र बखाशीण
विह गांव ज़ालन्धर (अन्तरक)

2. (1) श्री नरेंद्र मिह पुत्र मंत्रीमिह
(2) गुर्जीप कौर पति विकम मिह गांव लरोह
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर मं० २ में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिकारों में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हवा रखता है। (वह व्यक्ति,
जिन्हें बारे में अवाहन्त्राक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुभूची

जमीन जैसा कि विनेख नं० 3496 जुलाई 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ज़ालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दाहिया
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज ज़ालन्धर

तारीख: 13-3-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश नं० ऐ० पी० नं० 1888—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव लरोई में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1 जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्वतः—

1. श्री सेता सिंह पुत्र साधू सिंह (2) बलबीर सिंह (3) अनूप सिंह पुत्र बख्शीश सिंह गांव राजपुर। (अन्तरक)

2. (1) तरसेम सिंह पुत्र सेता सिंह (2) गुरदीप कौर पत्नी बिकरसिंह गांव लरोई (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधीन भोग में संपत्ति है)

4. जो कोई संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 3483 जुलाई 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सकम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी १० एम० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निवेश सं० ए० पी० नं० 1887—यतः मुझे बी० एस०
दिहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू कोर्ट
रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दण्डय से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से ही किसी आय और बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें मार्कीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के
प्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की
दृप्रभार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शीला मण्डल द्वारा एवं डी० मण्डल
एस०-450 ए० गरेटर कैलाश, न्यू देहली। (अन्तरक)

2. डा० मदन मोहन पुत्र बलवंत राय भगवती भवन
न्यू कोर्ट रोड सिविल लाईंटज, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपचारकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

भगवती भवन जैसा कि विलोक्त नं० 2743 जुलाई,
1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी० टी० एन० पृष्ठ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निवेश सं० ऐ० पी० मं० 1886—यतः मुझे बी० एम०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एप्पे से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो मरीन
पार्क, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भूतारक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चर्चेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वाहतविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम पा किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बलराज पावहा पुत्र मनोहरलाल पावहा 229—
वसत्ती शेख, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री कमलजीत पुरी 226 मरीन पार्क, जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-घ में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि विलेख नं० 3275 जुलाई, 1978
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 13-3-1979

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निवेश सं० ऐ० पी० सं० 1885—यतः मुझे बी० एम०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और, जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, पर्यात:—

3—526GI/78

1. श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र बख्शा सिंह 486 गढ़ा रोड़, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती आ० गुप्ता चौपड़ा पत्नी व्हा० एस० चौपड़ा पटेल हस्पताल, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैमा ऊर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि नहीं है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयमां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के मम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3390 जुलाई 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया

मक्षम अधिकारी

(महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-3-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

लिंग स० पौ० पी० नं० 1884—यतः मुझे, वी० एम०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है और

जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूची
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इन्द्रजीत सिंह पुत्र बबूला मिह 486 गढ़ा रोड,
जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती डा० रमेश कांता शर्मा पत्नी डा० एम०
के० शर्मा पटेल हस्ताक्षर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैमा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संरक्षित है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में एचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति या तत्वंवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी
प्रवृत्ति बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट जैमा कि विलेख नं० 3315, जुलाई, 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

वी० एम० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 13-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० ट्री० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

ग्रजन रज, जालन्धर

जालन्धर, 13 मार्च 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1883—यतः मुझे बी०
एस० दाहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई, 1978
का पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित रौ गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में वास्तविक
कृप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) मैंने हुई किसी प्राय के बादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी व्या या अन्य पास्तियों का,
जम्हे भारताय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, दी भारा 269-व के प्रत्यक्षित
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरिन्द्रपाल भिंडे पुत्र गिरान मिहू बजार बासा-
वाला, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री संत राम दुग्ल पुत्र रवृनाथ का मकान नं० 128/3
मेट्रल टाउन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
कारी भोग में संपत्ति है।

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हात्र रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्यक्षित के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के प्रत्यक्षित के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित/
किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रत्यक्षि-
नियम, के अन्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ हांगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

जमीन जैसा कि विलेख नं० 3053 जुलाई, 1978 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस०} दाहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
ग्रजन रेज, जालन्धर

तारीख: 13-3-1979

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निकेश सं० ए० पी० नं० 1882—अतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उचित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सम्बन्धमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव रायपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्भुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(६) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(८) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भागतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नपारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्टुः ~

1. श्री राम मिह पुत्र दीवान सिंह गांव रायपुर (अंतरक)

2. श्री प्रीतम किंह, सीतल मिह, कुंदन सिंह पुत्र मंहगा सिंह पुत्र धना गांव रायपुर (अन्तरिती)

3. जैमा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सिये कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी शाश्वत—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

जमीन जैसा कि विलेख नं० 2882 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रांजन रेज, जालन्धर
तारीख 13-3-1979
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश मं० ए० सी० नं० 1881—यतः मुझे बा० एम० दर्हिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री खरेती लाल पुत्र निहाल चंद भारगो कौप, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुदूरंगा मरीया पत्नी किशन चंद 90 नथू गैर मार्कीट, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रविशोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में सुच रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के 13 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि विलेख नं० 3393 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बा० एम० दर्हिया
सक्रम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेंज, जलन्धर

दिनांक: 13-3-1979

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एम०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 13 मार्च 1979

निदेश सं० गे० पी० नं० 1880—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो माडल
टाऊन, जलन्धर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, ग्राब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्राहा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जमबंत कौर पत्नी दलीप सिंह 30 एल० माडल
टाऊन, जलन्धर। (अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पुब राम सिंह और मुरिन्द्र कौर
पत्नी जगजीत सिंह 30 एल० माडल टाऊन, जलन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 30 एल माडल टाऊन जलन्धर का हिस्सा
जैमा कि विलेख नं० 3205 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

मकान अधिकारी,

महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 13-3-1979

गोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश मं० 305/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० मलगीने 15 घरने 5-8-522 है, जो धीरागलीलेन में स्थित है, (और इसमें उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश प्रसाद घर ने 21-1-293 रिकाब गंग, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती नारानवार पत्नी एन० एन० मिह० 5-9-96 पञ्चिक गाँड़ेन के सामने, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के पद्धति में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्थी अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरुपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्तरी

मलगीने, 15, घरने 5-8-522 धीरागलीलेन आबीद शय-हैदराबाद 25.55 वर्गथापे बीसेन रजिस्ट्री दस्तावेज ने 1982/78 अर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, हैदराबाद।

तारीख: 7-2-1979

मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1979

निदेश सं० ज० 306/78-79—यतः मुझे के० प्र०
वैकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० 6-2-45, 75, सा०-79 है, जो ये० सी० गड़ हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, केरलाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वेषण प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाजार, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को अन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मर्वशी राम वीस्टन स्टेवर्ट—आस्ट्रेलिया
(2) श्रीमती मोनिका नेम कथानीरीन स्टेवर्ट
(3) पार्टिकलान म्टेवर्ट (4) श्रीशी मुरे स्टेवर्ट
(5) डैम बेगियन अडेमसन (6) मुरीन बीरनाडीट
स्टेफन (7) डीनाल्ड ब्रैम स्टेवर्ट (8) जान अलेन कौटम
स्टेवर्ट (9) गार्डन हरबर्ट स्टानले स्टेवर्ट (10) मौरीन
वीर्ट्स इमबर्ड (11) जोन ईल्सी एडवर्ड (12) लानी
वोलेट मेनीना ओमीनड तमाम लोग आस्ट्रेलिया में रहते
हैं उनका जी० पी० ये० सी० हृषीब्र अन्मारी अडवर्केट 828
मैजायणई गम्बाहैदराबाद में हैं। (अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) सी० पूरनया (2) येम वेनकटेशवरेल
(3) डी० श्रीमणमुस्ते (4) जी० प्रबाकरराऊ (5) येम०
येम० आर० मुम्भार्मण (6) पी० कीदनशागमया (7)
सी० वी० वेनकटाननदा शास्त्री (8) जे० आर० जी० सुश्रृ-
मन्याम (9) येम० रंगारेडी (10) पी० श्रीरामामृती
(11) झी० सस्यावती (12) टी० शणगीरिशाऊ (13)
वी० मत्यानारायन राज० (14) येम० गम्बाच्चन्द्राराऊ
तमाम लोग हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिनी)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

तमाम घर बाहर का घर कालीजगा वीस्टन 7000 वर्ग यार्ड है ने 6-2-45, 75 ता० 79 ये० सी० गड़ हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1702/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय केरलाबाद में है।

के० प्र० वैकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 7-2-1979

मोहर :

प्रलूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1979

निवेश सं० जे० 307/78-79—यतः सं॒जे० एम०
वेंकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 13, 14 धरने 5-8-522 है, जो धीराग-
नोलेन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णस्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छटेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित मास्तविक रूप स कर्यत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवक्ति :—
5-526GT/781 श्री जगदीश प्रणाद 21-1-293 रीकाबगंज,
हैदराबाद। (अस्तरक)
“ प्रा० पाठ० नम० ध० 16-6-1 पा० बा०
दृष्टिवाद। (प्राप्ति)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस आध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आपील नं० 13 और 14 धरने 5-8-522 धीरागली
नेन में आवीद रासना हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2384/
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।नं० एम० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 7-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिये सहायक आपकर आयकत (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1979

सं० 308/78-79—यतः मूँजे के० एस० वेंकट रामन
 आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
 इसके प्रत्यक्षरूप ('अधिनियम') कहा जाता है), की धारा
 ३७७ के सहीन सभ्ला साधिकारी को यह विश्वास करने
 वाला विश्वास करने के लिए सम्भवि, जिसका निर्विचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 15-1-503/बी०-30 है, जो सीदीयेम्बर वल्लाइम्से लिखता है। (और इससे उपावडा अनुभवी से और पूर्णद्वारा से लिपित है) सचिवस्थीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूर्घातीशीले भाग्यीय इंजिनियरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 22-6-78 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रस्तुतिकालों के, लिए अन्तर्भूत वीर्य वर्ग है और भूमि-यह क्रियकाल कल्पीत वारण्ह है जिसका पूर्वोक्त सम्पत्ति क्रियावित बाजार मूल्य, उत्तरोत्तर दृश्यमान अवस्था है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अक्षरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

150

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
प्रियाप्ति को, जिन्हें भारतीय आधिकार अधिविषयम् । १९२२
। १५८ (१९२२ का १) या उक्त अधिनियम, जो धन कर अधिविषयम् । १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया अस्ति थी या पैकी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिया हो सकिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितवों प्रथातः—

1. मैसर्स भारत कर्ट्सट्रक्शन कम्पनी 15-1-503
सीदीयेमबर वाजार, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती शीला दीशी पत्ती सुभाष दीरी 15-1-
503/बी०-३० अग्नोक मार्केट मिदीयम्बर बाजार, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

କେବେ କାହିଁ କି ଆମ ମିଳି କି ଏ ଲାଗନ୍ତିର (୫)
କି କୁଣ୍ଡଳ କି କିମ୍ବା ପାଧିର କି ମଧ୍ୟାଯୀର
ପାଧିର କି କିମ୍ବା ପାଧିର କି କିମ୍ବା ପାଧିର
ପାଧିର : ପାଧିର : ପାଧିର

प्रियमीष इन्होंने नाम प्रियमीष मिशनी ग्रंथ (B) का अनुवाद एवं सम्पादन किया है। अनुवादी एवं सम्पादक मिशनी ग्रंथ का अनुसूची वर्णन निम्नलिखित है।

केंद्रीय सचिव बैंकट रामन
सक्षम अधिकारी
(सहायक ग्राहक सचिव रामनुजन निरीक्षण)
१०५ लाइफ एस्ट्रोनॉटिक्स इंडस्ट्रीज वैदिक रविवार
तारीख: 7-2-1979
मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1979

निरेंश सं० 309/78-79—यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 15-1-503 /बी०-31 है, जो सीदीयेमबर बाजार में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूदबौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. मेरसे भारत कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 15-1-503 सीदीयेमबर बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती पुष्पा दोषी पत्नी रमेश दोषी 15-1-503/बी०-31 ग्राशोक मार्कोट सीदीयेमबर बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्क के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लोर्इ जी श्रायोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्तरीद्वारा मैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहा किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के तात्पर लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 मिशना प्लाट (एक रुम) घर नं० 15-1-503/बी०-31 सीदीयेमबर बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 670/78 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय दूदबौली में।

के० एस० बैंकटरामन
महाम अधिकारी
(महायक ग्रायकर शामुज्जल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1979

निवेश नं० 310/78-79—यत मुझे के० एम० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ(1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/ए०/५९ है, जो सीदीयेमबर बाजार में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुमति में और पूर्ण रूप से वरित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-78 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या पर्याय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यस: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, घर्षणः—

1. श्री महाबीर परणाद जैन घर नं० 15-1-561 महबूबा गंज, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती कोकीला बेन मेहता पत्नी जयली लाल मेहता 1-10-246 अशोकनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना को तापीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अविक्षियाँ ढारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ अवक्षियाँ ढारा, अवोहस्ताशरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदीक्षणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यन्मीय नं० 15-1-503/ए०/५९ वीस्टन्स-289.34 वर्ग फीट पीलकाना सीदीयेमबर बाजार हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 671/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हुबली में।

के० एम० वेंकट रामन

मकाम अधिकारी

महाराजा आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 7-2-1979

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1979

निवेश सं० नं० 311/78-79—यतः मुझे को० एस०
वेकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी मं० भाग 16/25 है, जो जीनलागड़ावारी वीदी में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक कथित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रस्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात् :-

1. मौ० नागेश्वर राठ धर नं० 16-1694 राममूर्ति नगर, पेलूर (अन्तरक)
2. श्रीमती तीरुदेवी नागरतनम्मा शुमेटीवारी पालेम कनीवीरी तालुक प्रकाशम जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी अविक्षियत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

धर नं० 16/25 का भाग है—जीनलागड़ा वारी गली नेलूर में कहा जाता है "मनजु हॉटल"—रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1281/78 और रजिस्ट्रार नेलूर में।

को० एस० वेकट रामन
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-2-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निक्षेप नं० 312/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट 17 का 1-11-252/1 बेगमपेट
हैदराबाद में जो स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सीकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः आम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. मेसर्स जबार रीमेल इस्टेश-54—नलागुदा सीकिन्द्रा-
बाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स मुलतान मोहिदीन डिविजनल पारेस्ट आफसर
पालानचा खमाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 17 2 मंजिल पर घर नं० 1-11-252/1
बेगमपेट, हैदराबाद दस्तावेज नं० 1430/78 उप-रजिस्ट्री
कार्यालय सीकिन्द्राबाद में।

के० एम० वेंकट रामन
सकारा प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1979
मोहर:

प्रस्तुप मार्ड० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश नं० 313/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 327—3—मन्त्रिल पर है, जो चन्द्रालोक
में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 7-6-78
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
दय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अस्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम पा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
स्यार्था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए:—

यतः यद्य, उक्त आधानियम को धारा 269-ष के अनुसरेण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपबारा (३)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. मेर्से स्वास्तिक कन्द्रकणत कम्पनी 111—एम०
डी० रास्ता मिकन्द्राबाद। (अन्तरक)

2. (1) आई० अन्जनेया (2) वी० कृष्ण शरमा
(3) आई० अणोक शरमा (4) गोपाल शरमा (5) श्रीमती
टी० मनगम्मा येलम्मागुडा निजामाबाद में। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कार्यालय 327 3—मन्त्रिल पर चन्द्रालोक कामपलेक्षम
111—सरोजीनी देवी रास्ता मिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्ता-
वेज नं० 1491/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकन्द्राबाद में।

के० एम० वेंकट रामन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1979:
मोहर:

प्रश्न नं ०१०८० एन०८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 द्वंद्ववरी, 1979

निदेश नं ० ३१४/७८-७९—यतः मुझे के० एम० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी०-२/३ है, जो गैरेज
में ४ बन्दालोंक में स्थित है (और इसमें उपावरु अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-६-७८
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रबन्धिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तवित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम को घारा 268-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269वा की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

१. मैमसं स्वास्तिक कम्टटूक्षन कम्पनी १११-एम० डी०
रास्ता, सिकन्द्राबाद। (अन्तरक)

२. गाम्झा जी० बो० मंजग ६-३-१०८९/ए०५
नामांजीगु), हैदराबाद। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर
सूचना को तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्याय २०क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी०-२/३ और गैरेज नं० ८-बन्दालोंक
कामपलेक्ष्म एम० डी० रास्ता सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० १५६८/७८ उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद
में।

के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : ९-२-१९७९

मोहर :

प्रकल्प घाई०टो०एन०एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आगे

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राध्यक्ष (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश नं० 315/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-वा
के अधीन सकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट
से अधिक हैऔर जिसकी संक्ष 325 3 मंजिल पर है, जो चौदालोक
काम्पलैक्स सीकीन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
7-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित में वास्तुदिग्द रूप से रखित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने
या उससे बदने में सुविधा के लिए; और/या(घ) तेमीं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरमें,
उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों, अवर्त :—

5-526 GT/78

1. मेसर्सं स्वास्तीक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी III-एस डी०
रास्ता गिकन्द्राबाद। (अन्तरक)2. (1) मै० अनंदनेय शर्मा (2) वी० कोणा
शर्मा (3) मै० श्रेणीक शर्मा (4) मै० गोपाल शर्मा—
येनमागृहा निजामाबाद। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करना पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा अक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी
अविक्त द्वारा।(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्राध्यक्ष भव्यों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कार्यालय नं० 325 तीमरे मंजिल पर धीदालोक काम-
पत्रकम III-एस० डी० रास्ता सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1599/78 गप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्रा-
बाद में।

के० एम० वेंकट रामन

मन्त्रम अधिकारी

मन्त्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

नामीख 9-2-1979

मोहर :

प्रकृष्ट श्राई० डी० एम० एस०----

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निदेश सं० 316/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट
रामन

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 335-III मंजिला पर है तथा जो चन्द्रालोक
कामपलेकम में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास,
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः:—

1. मेप्रसं ल्हासिन कन्स्ट्रक्शन एम्पनी —एम०
डी० रास्ता सीकीन्द्राबाद में। (अन्तरक)

2. मैयद मुरीदीन 10-5-113-तथा एमदनगर,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेतः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरनवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 335 III मंजिला पर चन्द्रालोक काम-
पलेकम III—एम० डी० रास्ता सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1606/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद
में।

के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 9-2-79

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 317/78-79-यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० मुल्य न० 26 है, तथा जो 139 महात्मा गांधी
रोड़, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन तारीख, जून, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निभिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. मेसर्स यूनाइटेड ब्लडर्स 9-1-41 तबाक कू बाजार
सिकिन्द्राबाद। (अन्तरक)

2. श्री भरत कुमार, मुन्द्रमाल (का पुत्र) घर नं
21-2-772 पटेल मार्केट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

मुल्य न—26 जमीन मतर, पैमिसेस न—1-7-27
से 34 और 1-7-206 से 228. पुराना न० —139)
महात्मा गांधी रास्ता, सिकिन्द्राबाद में रजिस्टर न०—
1479/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकिन्द्राबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः :

मोहर :

ग्रहण घाई० टी० एव० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० आग० ए० सी० नं० 318/78-79—यतः
मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/-
रु० से अधिक है

और जिमकी सं० मल्हा नं० 27 है, तथा जो 139 महात्मा गांधी
रास्ता मिक्नदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनु-
सूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मिक्नदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या पाया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रहण अब, उक्त अधिनियम का प्राग 269वा के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स यूनाइटेड बुलडर्स, प्लाट नं० 9-1-41, तबाकू
बाजार, सिकिन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती संगीता देवी, अर्गविंद कुमार की पत्नि
मकान नं०—21-2-772, पटेल मार्केट, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मल्हा नं० 27,139 सराजिनि देवी रास्ता, मिक्नदराबाद
में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1509/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
सिकिन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख :

मोहर :

प्रेरुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निरेण सं० आर० ए० सी० नं० 319/78-79—

यतः मुझे, को० ए० स० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक और जिसकी सं० मलि नं० 13 है, जो सरोजिनी देवी रासने में स्थित है (और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1978

को पूर्वान्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं उक्त प्रधिनियम गी धारा 269-व की उपष्ठारा (1) के प्रधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमसे यूनाइटेड बिल्डर्स 9-1-41, तम्बूक बाजार, सिकन्दराबाद (अन्तरक)
2. कुमारी प्रभा शाह दामोदर दास (की बेटी) मकान नं० 15-7-247, बेगम बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त मम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिचापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलि नं० 13, जमीन का सत्ता प्रमिसेम नं० 1-7-21 में 34 तक, और 1-7-206 से 228 तक महात्मा गांधी रास्ता में सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री डाक्यूमेंट नं० 1591/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० ए० स० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश मं० आर० ए० सी० नं० 320/78-79-यतः
मुझे को० ए० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी मलि नं-6 है, जो 1-2-27 से 34 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 78 में

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके 'दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वयन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मरमें यूनाइटेड बिल्डिंग्स, कार्यालय नं० 9-1-41, तम्बाकू बाजार, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
2. श्री अंजनी कुमार, महिन्द्र कुमार (का बेटा) मकान का नं० 21-7-650, गांधी बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबैध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलि नं० 6 जमीन सत्ता, प्रेमिसेस नं० 1-7-27 से 34 तक और 1-7-206 से 228 तक महात्मा गांधी रास्ता, सिकिन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1786/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकिन्दराबाद में।

को० ए० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-79

मोहर:

प्रस्तुप याई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

महाराष्ट्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निदेश मं० आर० ए० सी० ने 321/78-79—यतः
मुझे के० ए० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है।

और जिसकी मं० मकान नं० 539 है, जो बालाजी कालोनी
निरूपति में स्थित है (और इसमें उपोवद अनुमूली में और
पूर्ण स्व में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय,
निरूपति में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए भ्रतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत प्रधिक है और भ्रतरक (भ्रतरको) और भ्रतरिती
(भ्रतरितीयों) के बीच ऐसे भ्रतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निरूपति उद्देश्य से उक्त भ्रतरण लिखित में
बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) भ्रतरण से हुई किसी आय को बाजान उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रतरक के साथित्व में कभी
करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; और/या

(ब) ऐसो किसी पाय या फिस प्रत या घन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनु-
मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उचित
(1) के अधीन निरूपित भ्रतियों, भ्रतितः—

1. श्री एन० बी० सुधाकर, कुण मृति (का वेटा)
मकान नं० 359 बालाजी कालोनी, निरूपति, आंध्र प्रदेश
(अन्तरक)

2. श्री पी० वलरामग्य चेट्टी चेंगल राय चट्टी (का वेटा)
मकान नं० 324 कोन विधि, निरूपति, आंध्र प्रदेश (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी प्राश्नेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर तस्वीरधी व्यक्तियों पर यह सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी मवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 539, बालाजी कालोनी, निरूपति चित्तूर
जिला, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1767/78-79 रजिस्ट्री कार्या-
लय निरूपति में।

के० ए० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी, 1979
निदेश नं० 346/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 106 है, जो सागर व्यू घर दीमलगुडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 78 में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्त्ति:—

1. मेसर्स स्वास्तिक विलडर्स 1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद (अन्तर्गत)
2. श्री पी० नागेश्वरराज 108 शान्तिनगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय धर नं० 106 पहली सता पर मागर व्यू मकान दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज ने 2162/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-2-1979
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० 347/78-79—यत् मुझे को० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 212 है, जो सागरबुधर
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1978
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्कह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक काप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों प्रवाहित:—

6-526GI/78

1. मेसर्स स्वास्तिक बिल्डर्स 1-2-524/3 दोमलगुडा,
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री जी० पुरपोत्तम राव धर नं० 1-2-43/1
गगन महल रास्ता हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पञ्चों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कार्यालय नं० 212 दूसरे मंजिल पर सागरव मकान
1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री बस्ताबेज नं०
2320/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

वै० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 13-2-79

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश नं० 348/78-79—यत मुझे को० एस० वेंकट-
रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं 17, घर है, जो नं० 5-8-
522 धीरागली लेन में स्थित है (और उससे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय पर वादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय पर वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की समारा (1)
अधीन, विवरित व्यक्तियों, अन्तर :—

1. श्री जगदीश परशाद 21-1-293 रिकाय गंज,
हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मी वाई पति जगदीश परशाद
21-1-293 रिकाय गंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20क में परिचायित
हैं, वही व्याप्त होगा, जो उस प्रधाय में
विद्या गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 17 घर नं० 5-8-522 धीरागली लेन
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2287/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में—

को० एस० वेंकट रामन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 13-2-1979

मोहर:

प्रख्य प्राईं टी० एम० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1979

निदेश नं० 349/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० कुली जगा नं० 3-5-1082 नारायणगुडा
हैदराबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन तारीख
जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमात्र प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृद्धमात्र प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमात्र प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बर्बत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
से अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री सुखेन्द्र पिता स्वर्गीय बी० गुरवया 3-5-
1082 नारायणगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. डॉक्टर कविता पति डॉक्टर के० रामानुजाच्चारी
घर नं० 3-4-703 नारायणगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रबोहस्तानी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं;
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रमुसूची

कुली जमीन नं० 3-5-1082 जैसवाल गली नारायणगुडा हैदराबाद वीस्तरन 732 बरीयाड़ रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 2061/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 15-2-79

मोहरः

प्रस्तुत प्राइडॉ टी० एस० एस०---

आधिकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी, 1979

निदेश नं० 350/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन,

आधिकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मध्यनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है, जो मुरलीदर बाग हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के, कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मध्यनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धि से उत्तम से उत्तम मन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिकर मध्यनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधिकर मध्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मध्यनियम, या धन कर मध्यनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भरत: प्रब उक्त मध्यनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मध्यनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नसिद्धि अधिकारी, घर्षादः—

1. श्री दीनेश कुमार पटेल (2) राधामाई पति स्वर्गीय के० एस० पटेल (3) मीनाकुमारी (4) रेकाकुमारी (5) पीयुश कुमार —3-6-65/1 बशीरबाग, हैदराबाद (अन्तरक)

2 श्री आर० महेश रेडी (वकील) कायरय गाड
मेदक तालुक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आकंप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और ऐदों का, जो उक्त मध्यनियम के अध्याय 20-क में परिमापित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कुली जमीन नं० 9 मुरलीदरभाग हैदरगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2337/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

नं० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1979

निदेश सं० 351/78-79—यतः मुझे, को० एस०
बैंकट रामन

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर का भाग 3-6-209 है जो हीमायतनगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) तारीख जून, 1978

को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत, उन्न अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:-

1. श्रीमती जीलानी बीराय पती स्वर्गीय सैयद अब्दुल
कादर रजबी 5-9-209/40 धीरागली लेन, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती श्री अरविन्द येस वेसली पती जेला जाउ
वेसली 3-6-209 हीमायतनगर, हैदराबाद। (अन्तरक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त अन्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-209 हीमायतनगर, हैदराबाद वीस्टर्न^१
895 वर्ग याड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2379/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

को० एस० बैंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-79

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० 352/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वैकट
रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन समय प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यस्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सप्तप्रे से अधिक है और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 30 है, जो तीहमल-गीरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त गम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखा में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई किसी भाय की वादत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आद या किसी वन या प्रन्थ आस्तियों, का जिहे भारतीय भाषकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घस-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, में, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री पत्नी वी० सुन्दरम 5-2-10 हैदराबाद, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. दी पोस्टल उद्योग कोओपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी 52-ए, भवास्टीयन रास्ता, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पति के अंजन के संबंध में ओई भी आँखें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्ध किसी प्रत्यक्षित द्वारा पूर्वोक्त सूचना के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण :——इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अठाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 30 तीहमल गोरी सिकन्दराबाद वीस्टन 12400 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1522/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वैकट रामन
सम्म अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी रीडी एन० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269वा (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० 353/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269वा
के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० वीयाम सर्वे नं० 30 जमीन है जो, तीरु-
मलगिरी में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1978 को
पूर्वोक्त समाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्षह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और प्रतिशती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यां पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है :--

(क) प्रभारम से हूँ जिसी पार औ बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य पास्तिकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना नाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः पर, उक्त अधिनियम को भारा 269वा के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम को धारा 269वा (1) के उपभारा (1) के
प्रधीन विविध व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती भरमवती गनि जे० लक्ष्मीनगमिम्हम 5-2-10
हैदराबाद। (अन्तर्गत)

2. दि डाक तार उद्योग को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोमायरी
52-ए सबस्टीयन गस्ता, सिकन्दराबाद में। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्तीत के सम्बन्ध में कोई भी आशेषा :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वहां घर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख

खली जमीन गवे नं० 30 वीर्तन 12400 वर्ग यार्ड
तिरुमलगिरी गांव सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1528/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
मकाम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1979

मोहर:

प्रस्तुप थाई टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निवेद सं० 354/78-79—यतः, 'मुझे के० एम० वेंकट
रामन'

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बता गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन का भाग सर्वे नं० 30, है : जो
तीरुमलगीरी में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और प्रमत्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रबिन्दियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के वायिल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः घब, उक्त प्रबिन्दियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रबिन्दियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री वी० वी० रामन पिता स्वर्गीय ए० वैद्यनाथ
अयार 5-2-10 हैदरबाद, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
2. दी पोस्टल एम्प्लाईज को-आपरेटिव हाऊर्सिंग सोमाइटी
52-ए सबस्टायन रास्ता, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजनन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजनन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिवाद में
समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किए जा सकें।

उपर्युक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रबिन्दियम के प्रधायाय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का भाग सर्वे नं० 30 जिसका वीस्टर्न
12400 वर्ग यार्ड तीरुमलगीरी सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1537/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद
में।

के० एस० वेंकट रामन
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 16 फावड़ी 1979

निदेश सं० 355/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट
रामन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
में प्रविक्त है

और जिसकी सं० मर्वे नं० 30 में भाग जमीन है, जो
नीरसमनवीरी में स्थित है (और उसमें उपाङ्ग अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, मिकन्दरगाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के निये तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिये;

के० एम० वेंकट रामन,

सकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपाधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवक्तियों पर्यातः—
—526 GI/78

1. श्री वी० वी० रामन पिता स्वर्गीय ये० वैद्यानानन्दा
मेयार घर नं० 3-2-10 हैदरगाबाद, मिकन्दरगाबाद। (अन्तरक)

2. दि० लाल दारा अग्रण विवाहि० हौंगा मासागढी,
52-१, गिरन्दगाबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्में व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में
से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

खुली जमीन नं० 30 में कुच्चा भाग वीस्तेन 12400
वर्ग यार्ड तीरमनवीरी गओ—मिकन्दरगाबाद रजिस्ट्री इम्तावेज
नं० 1541/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, मिकन्दरगाबाद में।

नारीखः 16-2-1979

मोहरः

प्रस्तुत आई०टी० एन०एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० 356/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपवे से अधिक है और जिसकी सं० 4-44-मर्वे नं० 7 है, जो दरगाह हूमैन शब्दी में स्थित है (श्रीर इसमें उपबाद अनुमूली में और पूर्ण द्व्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छड़ेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन—

1. श्री सरहदी इलयास औमदी पिता सेत शोक हूमन औमदी बैतुल्लाह रास्ता नं० 1 बनजारी हिल्स, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. दी श्रीसीसी ऐजेंसेन सोमायटी उमका अदीपती वी० एल० नारायण घर नं० 4-44-दरगाह हूमैन शब्दी, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्त्र अविक्त द्वारा, अषोहस्ता-धारी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-44 और खुली जमीन संख्या नं० 7—दरगाह हूमैन शब्दी दरगा, हैदराबाद बेस्ट वीस्टोन 3.01 येकर्स और 50 वर्ग यार्ड (12300 वर्ग मीटर) है रजिस्ट्री-दस्तावेज नं० 2435/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० ५/एस० आर० कर्वी०/अक्तूबर
78/414—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट क्र० 58, प्रतिभानगर है तथा जो
कोल्हापुर में स्थित है (और इसमें उपांडठ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सब रजिस्ट्रार करवरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-10-78 को
पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक इप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

वत्ता। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों के अर्थातः—

1. श्रीमती मीरा अर्घ्युत भागवन 58, प्रतिभानगर,
कोल्हापुर। (अन्तरक)
2. श्री पुरुषोत्तम वासुदेव देशपांडे 2049, 11वीं गली,
राजारामपुरी, कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी ग्राहकोंप्रैः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिमापित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती :—प्लाट क्र० 58, प्रतिभानगर को-शापरेटिव
हाउसिंग सोमायरी, कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2592 दिनांक
7-10-78 को सब रजिस्ट्रार करवरी के दफ्तर में लिखा
है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रेणी रेंज, पुना

पुना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० ग्राम० बारसी/प्रस्तुवर
78/417—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० भव० अ० 2902, 2900 है
तथा जो बारसी ता० सोलापुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बारसी में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में व्यस्तविक रूप में रायित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रेष्ठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुमरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्री पुरुषोत्तम भगवत सुलाख 1180/4 शिवाजी
नगर, पुना-5

(अन्तरक)

2. (1) डा० जबाहरलाल मोतीलाल दोषी
(2) श्री मोती लाल जीवन दोषी, सोलापुर रोड,
वारसी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जाया है।

प्रमुख

प्राप्ती:—मीटी सं० अ० 2902, 2900 बारसी,
जिला सोलापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख अ० 1724, दिनांक
9-10-78 को सब रजिस्ट्रार बारसी के दफतर में लिखा
है)

श्रीमती पी० ललवानी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 27-2-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी ० एन ० एस ० —————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

मास्त सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० ५/एस० आर० कराड/सप्टेंबर
78/412—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० आर० एस० अ० 699/1 है तथा जो
कराड जि० सतारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
भूमि में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सब रजिस्ट्रार कराड में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
4-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल
के लिये अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यातूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकाल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकाल, निष्ठनिष्ठित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निष्ठनिष्ठित अविक्षयों, अर्थात् ।—

1. (1) श्री व्यंकटेश पांडुरंग जोशी
- (2) श्री रामचंद्र व्यंकटेश जोशी
- (3) श्री लक्ष्मण व्यंकटेश जोशी
- (4) श्री मिंबक व्यंकटेश जोशी, मांगली

(अन्तरक)

2. (1) श्री लालचंद छोटालाल शहा
- (2) श्री पोपटलाल छोटालाल शहा, 122, शनवार
पेठ, कराड जिला सतारा। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से
किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
भन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मान का टुकड़ा: आर० एस० अ० 699/1 कराड
जि० सतारा।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत लिख अ० 2509, दिनांक
4-9-78 को सब रजिस्ट्रार कराड के दफ्तर में लिखा
है)

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 27-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई•टी•एम•एस•—

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजून रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निवेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० धूलिया/ग्रामस्त
78/416—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी संवेद क्र० 1413, गली क्र० 4 है,
तथा जो धूलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय सब रजिस्ट्रार धूलिया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उपके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को गिर्हें, पारंपरीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुश्किल के लिये;

प्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :—

1. श्री गजानन वत्ताव्रय नामपूरक

(2) श्रीमती रमाबाई दत्ताव्रय नामपूरकर आवर्षनगर,
पूना-9। (अन्तरक)2. श्रीमती वनसलाबाई वनजी कोठाविद निजामपुर, ता०
साक्षी, जि० धूलिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी से
किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
यिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्तर्ती :—सीटी संवेद क्र० 1413, गली क्र० 4, धूलिया,
क्षेत्रफल—181.4 वर्ग मीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख क्र० 1924, दिनांक
9-8-1978 को सब रजिस्ट्रार धूलिया के दफ्तर में लिखा
है)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना।

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रह्लाद प्राई.टी.एम.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० गौधीमलाज/ग्रामस्त
78/415—यतः मुझे, श्रीमती पी० नलवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी ई० आर० एस० क्र० 122, 'लाट क्र० 12,
है तथा जो गांधिगलाज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के
कार्यालय सब रजिस्ट्रार गांधिगलाज में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया या
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अस्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

मनुष्यों

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगतार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्राप्ती.—आर० एस० क्र० 122, 'लाट क्र० 12
गांधिगलाज।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विनेक्र क्र० 1601, दिनांक
22-8-1978 को सब रजिस्ट्रार गांधिगलाज के दफ्तर में
लिखा है)

श्रीमती पी० नलवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना।

यतः अब, उस अधिनियम की आरा 269-घ के
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की
उप-आरा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति ।—

तारीख: 27-2-1979
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० ५/एम० आर० कराड/सितम्बर
७८/४१३—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी मं० आर० एम० क्र० 699/2/1 है तथा जो
कराड में स्थित है (और इसे उपावन्द्र अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मब रजिस्ट्रार कराड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ब) ऐसी हिसो आय या किसी व्रत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रथात्:—

1. श्रीमती इंदिराबाई शंकर जोशी गुलमोहर सामै
गुरुजी मार्ग, पूना-30।
(अन्तरक)

2. श्री लालनंद छोटालाल शहा ३, पोपटलाल छोटालाल
शहा, १२२, शनिवार नेट करात्र, जिना मनारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताशीरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टक्कड़ा:—आर० एम० क्र० 699/2/1,
कराड, जि० सतारा, ड० आर० ०.३७।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2519/ दिनांक
4-9-78 को मब रजिस्ट्रार कराड के दफनर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना।

तारीख: 27-2-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भद्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्णय सं० यतः मुझे राजेन्द्र नाथ वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० पट्टा सं० 9, 34, 63, 65 दाग सं० 306, 307, 308, 309, 260, 310, 305, 311 व 259 है तथा जो मौजा गंगपार धुमक ग्राम—हैलाकाण्डी टाउन का लक्ष्मीशहर में स्थित है (और इससे उपर अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैलाकाण्डी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वापत्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई इसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणालीतर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्—

8-520G1/78

1. श्री विनय कुमार सोम, 2. श्री केदार देश्मोहन नाल दे हैलाकाण्डी का (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रीति रानी नान्दी, श्री नालिनी कान्त नन्दी की पत्नी, नामा पिना रोड़, शिलांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अवौद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संघीयता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

जमीन का माप 2 (दो) बिगहा 11(ग्यारह) कट्टा 7 (मात) छदंक एक अम्म टाक्षण मकान के साथ जो 1,000 (एक हजार) स्क्वायर फीट में है और हैलाकाण्डी टाउन के लक्ष्मीशहर, कुला कलार (अम्म) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ वरा,
मध्यम प्राधिकारी,
भद्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीखः 9-3-1979

मोहन

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी, 1979

निर्देश मं० 27-एन०/ग्रामिक०—ग्राम: मुझे ग्रामर मिह
विसेन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो मिर्विल लाइन मुगदाबाद
में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अन्तर्गत में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मुगदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नारीख 10-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी इन या अन्य ग्रामियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

ग्राम: घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामराम पुत्र राम दिता मल (अन्तर्गत)

2. श्री लक्ष्मन कुमार पुरी व दर्शन कुमार पुरी
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के ग्राम्याद 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस ग्राम्याद में दिया
गया है।

अन्तर्गती

एवं किना घाट रक्कड़ा 500 वर्गगज है। जो कि मिर्विल
लाइन मुगदाबाद में स्थित है व मम्पत्ति वा वह सब
विवरण जो कि मेलडीड तथा फार्म 37-जी० नं० 3876
में वर्णित है ओर भव रजिस्ट्रार मुगदाबाद के कार्यालय
में 10-8-78 को दर्ज है।

ग्रामर मिह विसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर प्राप्तक (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 17-2-78

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारत बन सेवा परीक्षा, 1979

मा० एफ० 13/3/78-ई०-I (वी०)

नई दिल्ली-110011, विनांक 31 मार्च, 1979

भाग्य के राजपत्र दिनांक 31 मार्च, 1979 गृह मन्त्रालय (कार्मिक और प्रणालीक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुमार भारतीय बन सेवा में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, हलाहलाबाद, बंगलौर, भोपाल, वर्साव, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिमपुर (गोहाटा), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोट बंगलौर, गिलांग, गिलता, श्रीनगर, तथा लिंबेन्द्रम, मे 21 अगस्त, 1979 से एक प्रतिवेदित परीक्षा सी जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान प्रयत्न स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुच्छेद, परा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती जाने वाले रिक्तियों का अनुमानित संख्या 100 है, (इनमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के

15 रिक्तियां और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 7 रिक्तियां मिलती हैं)। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर राचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो स्पष्ट भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि मार्चिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीषांडर या भविव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल ऑफिस पर देय भारतीय पोस्टल ऑफिस द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीषांडर/पोस्टल ऑफिस के स्थान पर चैक या कर्टेंसी नोट स्वीकार करनी चाहिए। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो स्पष्ट का यह राशि किसी भी हालत में बाहर नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित, मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भर हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र भावश्यक प्रलिप्तों के साथ राचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 23 मई, 1978 (28 मई, 1979 से पहले की तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 14 मई, 1979) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्यों में रहने वाले उम्मीदवारों से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का विवित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कहा सकता है कि वह 14 मई, 1979 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्यों में रह रहा था।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भर हुए आवेदन-पत्र के गाँव आयोग को ₹ 18.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक

सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखाक्रिय पोस्टल आर्टर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा में जारी किए गए रेखाक्रिय बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयोग, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के माप उसकी रसीद लगा कर भेजना चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा दूरी नहीं होती तर्ह एक दम अस्थीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के दैरा 6 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से लूट चाहते हैं।

6. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, (1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व उर्वर्च पाकिस्तान (अब बंगला देश) में भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्मा से वास्तविक दृष्टि में प्रत्यार्थित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ₹ 30/- (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यक्तियों को छाड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न को विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या व्यवस्था के लिए भारतीय व्यक्ति द्वारा जाएगा।

8. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाव उम्मीदवारों की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

आरा० एस० अहलुवालिय
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मनुबन्ध

उम्मीदवारों की अनुदेश

1. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र भरने से पहले अपनी पात्रता समझ लेने के लिए नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ सेना चाहिए। निर्धारित शर्तों में कोई छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैराप्राप्त 1 में दिए गए केंद्रों में किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अनिम स्पष्ट से चुने हुए स्थान से परिवर्तन से सबूत किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावसी कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधुर या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवारों को भ्रमना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा

सभी उम्मीदवारों को, जाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हो या सरकारी औद्योगिक उपत्रमों में या उसी प्रकार के अन्य संगठनों में हो या गैर सरकारी गंतव्याओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा

हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दर से पहुँचा हो तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को प्राप्तिकरों तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो अधिक पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या प्रस्तुती हैमित्र से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या वैतिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनकी इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को धनुषति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे आपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियाँ निकाल कर, आयोग में भीवे भज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर संचित, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र को फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।।।

3. उम्मीदवार को आपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आइंडर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की प्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए नोटिस का पैरा 5 और 6 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक वृत्तियों के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोट आकार [वर्गभग 5 सें. मी. 7 सें. मी. 0] के फोटो की दो एक ईसी प्रतियाँ।
- (v) जहां आयु ही वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति या होने के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां आयु ही वहा आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) उपर्युक्त पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न विधिवत् भरा हुआ है)।

नोट:—उम्मीदवारों को आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियों ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों। विधिवत् परीक्षा के परिणाम दिसम्बर, 1979 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साकालकार के लिए घर्षणा प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होगी। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस गमय प्रेषित प्रमाण पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका प्राप्त विचार किए जाने का वाच स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त पैरा 3 की मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे और पैरा 6 में दिए गए हैं और मद (v) और (vi) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आइंडर।

प्रत्येक पोस्टल आइंडर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर “मध्य, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डिक्टर पर देव” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देव पोस्टल आइंडर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृप्ति या कटेन्टट पोस्टल आइंडर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

गम्भीर पोस्टल आइंडर पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुद्रा होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य जोड़ भर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आइंडर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही स्वीकार, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के अन्नरत्न डाकघर पर देव हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट।

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शादी में लिया जाता चाहिए। और संघ लोक सेवा आयोग को ड्राफ्ट बैंक आफ इंडिया, की मुद्रा याचारा नहीं दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृप्ति या कटेन्टट बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र—आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, विद्यालय द्वारा मैट्रिक्युलेशन के प्रमाणित प्राइकारी द्वारा प्रमाणित विद्यालय के मैट्रिक्युलेशन के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिसे उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा भूमक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर दी हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा भूमक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

ग्रन्तिदेशों के इस मार्ग में आए मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र निम्नलिखित हैं।

कभी कभी किसी भूमक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और भूमक्ष ही दिए जाते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों वा मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस मंस्ता के हृष्मास्टर/प्रमिल के लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की गई हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाचिका रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिक्युलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1.—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय द्वारा नई की प्रमाण-पत्र हो, उस उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबंधित प्रतिलिपि वाले पूर्ण की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उसके द्वारा अन्तर्भुक्त की तारीख एक बार निक्षेप भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति समाप्त है। नहीं तो जाएगी।

(iii) **गैंधिक योग्यता का प्रमाण पत्र :**—उम्मीदवार को एक प्रमाण पत्र की अभिप्राप्तिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। ऐसा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का हीना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्र न भेजा जाए, तो उम्मीदवार को उसे न भेजने वा कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साध्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साध्य की गुणवत्ता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे प्रकृति मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी गैंधिक योग्यताओं के तारीख में डिप्टी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्तिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं लिख गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्तिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिसिपल/विभागाधीक्ष से इस आवश्य का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राप्तिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजना चाहिए कि उसने नियम 5 में निर्दिष्ट विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर नहीं है।

नोट:—उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ कुके हों जिससे उत्तीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उपर परीक्षा के लिए गैंधिक वृद्धि से पाल हो जाते हैं किन्तु इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी ओर एमी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(iv) **फॉटोग्राफ़—**उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० × २ सें. मी. ०) के फॉटो या दो एक ऐसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिता पत्र के निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फॉटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ़ 3(ii), 3(iii) और 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाणपत्रों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विषय किसी भीप्रील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के माध्य न भेजे गए हों उन्हें आवेदन पत्र भेजने के बाव भी यही भेज देना चाहिए और वे दूर हालत में आवंग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की प्रतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाना चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने वा दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके भाग पिता (या जीवित भाग या पिसा) आमतौर से शहरे हों, जिला अधिकारी या उप मंडल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे संबद्ध नजदी सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए कार्य में प्रमाण-पत्र लेकर उनको एक अभिप्राप्तिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के भाग और पिता दोनों को मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए, जिन्होंने उम्मीदवार अपनी शिक्षा गे विज्ञप्ती अन्य प्रांगन में आग ली तो वह गहना हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों हांग प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्यः—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

मुमुक्षु/मुमुक्षु**/पत्र

जो गांव/कस्बा*/जिला मण्डल*

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

के/की/निवासी हैं

जाति/जन जाति के/सी हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति के स्थान में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ गवर्नर) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों सूची (आशोधन), आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उन्हीं पुर्वी क्षेत्र पुनर्गठन अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित।]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपमण्डल) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1959* अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादग और नागर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962*

संविधान (दादग और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1962*

संविधान (गांडिचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश, 1961*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियों आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1968*

संविधान (नागारेड) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

श्री/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*

में जिला/मण्डल* में राज्य/

संघ* राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर

*पदनाम

(कार्यालय की सोहर)

स्थान

नामांगन

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

नोट:—यदा “शास्त्रीय से रहने/रहता है” का अर्थ वही होगा जो “नियंत्रित आक दि पीपुल एक्ट, 1950” का धारा 20 में है।

**अनुचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए नक्षम अधिकारी।

(i) (जिला मैजिस्ट्रेट/अनिवार्य जिला मैजिस्ट्रेट/कानौठर/डिप्टी कमिशनर/एडीएनल शिर्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम थ्रेणी का स्टाफ-पेडर मैजिस्ट्रेट/सिर्टीमैजिस्ट्रेट/सबाँ डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एफस्ट्रा अस्पेट कमिशनर।

† (प्रथम थ्रेणी का स्टाफ-पेडर मैजिस्ट्रेट से कम आँहदे का नहीं।)

(ii) चीफ प्रमिडमी मैजिस्ट्रेट/एडीएनल चीफ प्रमिडमी मैजिस्ट्रेट/प्रमिडमी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेक्ट्रो अफसर, जिनका भोवदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उम इकाके का गव-डिवीजनल अफसर, जहाँ उम्मीदवार और या उसका परिवार आम नौर से रहता है।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का अधिक / डेवलपमेंट अफसर, नक्षत्रीय।

5 (i) (क) नियम 4 (ख) (ii) अधिका 4 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पेरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दाता करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विद्युतित अधिकारी निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए, कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विद्युतित अधिकारी है और 1 जनवरी, 1964 और 25 अक्टूबर, 1971 के बीच को अवधि में प्रवर्जन कर भारत आया है।

(1) दंडकार्य परियोजना के ट्राइट केंद्रों प्रथमा विभिन्न राज्यों में स्थित समायता शिविरों के कैम्प कमांडेट।

(2) उम थेट्रो का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अनिवार्य जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास शायकत, परिचर्चा बंगला/निरेशक (पुनर्वास), कलकता।

(ii) नियम 6 (ख) (iv) अधिका 6 (ख) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पेरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दाता करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलत भारतीय अधिकारी श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो श्रव्यत्वार, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने आया है।

(iii) नियम 4 (ख) (vi) अधिका 4 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पेरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दाता करने वाले वर्षों में प्रत्यावर्तित मूलत: भारतीय अधिकारी भारतीय राजदूतावाग रंगून द्वारा दिए गये परिवार प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि

यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, प्रथमा जिला सेवा में कार्य करने हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, पुनर्थार्ग, या मंत्रालय से नीचे लिए हुए निर्धारित कार्य पर लिए गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करने हुए विदेशी यात्रा देश के साथ संघर्ष में प्रथमा आण्णतप्रस्तुत क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

(iv) नियम 4 (ख) (viii) अधिका (ख) (ix) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करने हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, पुनर्थार्ग, या मंत्रालय से नीचे लिए हुए निर्धारित कार्य पर लिए गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करने हुए विदेशी यात्रा देश के साथ संघर्ष में प्रथमा आण्णतप्रस्तुत क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य।

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैकेंटों

रक्षा सेवाओं में कार्य करने हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/प्रशांति श्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और उम विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

हस्ताक्षर

पदनाम

तारीख

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 4 (ख) (x) या 4 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करने हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित पार्म पर लिए गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए, 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य।

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैकेंटों

सीमा सुरक्षा दल में कार्य करने हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदनाम

तारीख

(vi) नियम 4 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलत: भारतीय अधिकारी, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित अधिकारी है और वियतनाम में जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(vii) नियम 4 (ख) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, नथा गंयंकल गणराज्य नंजानिया से प्रवर्जन कर आए हुए या जाम्बिया, मलात्रो, जेरे नथा इथियोपिया में प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उम क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्युत ने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवर्जन कर आया है।

(viii) नियम 4 (ग) के अन्तर्गत श्रावु से छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्र भी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत कर्णी चाहिये जिसमें यह निष्काश्न हो कि उन उम्मीदवार आन्तरिक मुख्या प्रति प्रस्तुत कर्णी चाहिये जिसमें यह निष्काश्न हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक मुख्या प्रधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरावतार या केवल द्वारा था और जिसमें वे नारीय विनियोग हो जिनके बाच वह गिरावतार या केवल रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरावतारी या केवल जैमी भी स्थित हो, उम्मीदवार के गत्रनेशिक संवयशों या कायेकलायों या तकालीन प्रतिवान्धित संगठनों में उसके संबंध रखने के अनुमरण में थी।

6. जो उम्मीदवार उपर पैरा 5 (i), (ii) और (iii) में में किंगी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिंग के रैग 6 के अनुसार एन्टक से छूट का दावा करता है, उसको किसी भिला अधिकारी या संघावार के गत्रनात्रित अधिकारी या संसद गदम्य या गभ्य विधान मंडल के गदम्य से, यह विद्याने के लिए, कि वह निर्धारित एन्टक देने की स्थिति में नहीं है, इस प्राप्तय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होती।

7. जिस किसी व्यक्ति के लिए गावता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा से प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे व्यक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, यूह मंत्रालय (कार्यालय तथा प्रणालीनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक पावता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरने समय कोई झूठा व्योग न दे और न ही किसी महसूबपूर्ण गूचना को इष्टाएँ।

उम्मीदवारों को यह भी खेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत विए गए प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए/छूटे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उसकी प्रतियों से कोई अनुद्विध अथवा विर्गति हो तो विर्गति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर वेरी के घार के स्थान के स्थान में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमृक तारीख थों भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का धात्र हो गया हो।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविष्टी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र को पायता न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से नकास संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम क्या सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के अंत 2 होते थी तारीख में एक महीने पहल तक उम्मीदवार को आपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तकाल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने देसा नहीं किया था वह अपने गासने में विचार किए जाने के दावे से दर्जित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों में यूक्त पुस्तिकार्यों प्रश्नावान नियंत्रक, मिशन लाइन, दिल्ली-110054 के यहां विशी के लिए मिलनी है और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल प्राप्त हो तक भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। बैकल नकद भुगतान द्वारा उन्हें (i) किलाव मल्ल, रिवोर्सी गिरेमा के सामने, पूर्वोग्निया बिल्डिंग, “गी” ब्लाक, बाबा खड़क मिल्ल मार्ग, नई विल्ली-110001, (ii) विशी केन्द्र उद्योग भवन, नई विल्ली-110001 तक (iii) गवर्नर्सेट आफ इंडिया बूक डिपो, ७ के ०८० रोड, कलकत्ता-१ में भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकार्य विशिष्ट मुफ्तिगाल नगां में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जाती है।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र व्यवहार—आवेदन-पत्र से संबद्ध अभी पत्र आदि संविव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई विल्ली-110011, को भेजे जाए तथा उनमें भी विषया व्योग आवश्यक स्थिति रूप से दिया जाए।—

(1) परीक्षा का नाम।

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष।

(3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।

(4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।

(5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में यह स्पौग नहीं होगा संभव है उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को १८ बात वी व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में डिलिभिन पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में डिलिभिन व्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिसमें दारी स्वीकार नहीं करता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A 32014/2/76-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 27th November 1978, the President is pleased to appoint, under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri A. Gopalakrishnan, a Selection Grade Officer of the C.S.S.S. (Grade A of the C.S.S.S.) cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission for a further period from 1-3-1979 to 31-5-1979 or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM
Deputy Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th March 1979

No. A-19019 1/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Panigrahi IPS (Orissa : 1952) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment, with effect from the forenoon of 1st February, 1979 and until further orders.

The 12th March 1979

No. S-14/74-Ad.V.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) S. Sivaram to officiate as Deputy Director, C.F.S.L., C.B.I., with effect from the afternoon of the 24th February, 1979 and until further orders.

The 13th March 1979

No. N-36 66-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri N. J. Karnik, an Officer of Maharashtra State Police, to officiate as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from 1-3-1979 (F.N.) and until further orders.

S. K. JHA
Deputy Director (Admn.)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 8th March 1979

No. A-35018/4/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri D. B. Bhende, Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, GOW Bombay Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 21-12-78 until further orders.

No. A-35018/6/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri B. S. Sethi, Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Ahmedabad Branch in temporary capacity, with effect from the forenoon of 18-2-79 until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 12th March 1979

No. P-77/68-AD.V.—On the expiry of his term of re-employment, Shri P. Pathalai, Dy. Supdt. of Police, C.B.I., relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in

Central Bureau of Investigation on the afternoon of 28-2-1979.

No. F-1/70-AD.V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri Faqir Chand, Dy. S.P., CBI were placed back at the disposal of Haryana State Police with effect from the afternoon of 28-2-1979.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 12th March 1979

No. O-II-755/70-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Mrs.) Kavita Balchandani, GDO, Grade-II of Group Centre Hospital, CRPF Neemuch with effect from the forenoon of 8th June, 1978.

The 13th March 1979

No. O.II-1106/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri R. D. Pandey relinquished charge of the post of Dy. S.P., 43 Bn., CRPF, on the afternoon of 28-2-1979.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th March 1979

No. 11/1/77-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 5-7-1978, the President is pleased to appoint Shri S. K. Majumdar, an Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh at Lucknow, with his headquarters at Lucknow, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13 September, 1978, until further orders.

No. 11/1/77-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 5-7-1978, the President is pleased to appoint Shri S. K. Pathak, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Bihar at Patna, as Assistant Director of Census Operations, on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Manipur at Imphal, with his headquarters at Imphal, with effect from the forenoon of 13 September 1978, until further orders.

No. 11/1/77-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 5-7-1978, the President is pleased to appoint Shri B. D. Sharma, an Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Chandigarh UT at Chandigarh, with his headquarters at Chandigarh, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13th September, 1978, until further orders.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 12th March 1979

No. Admn.I/O.O.-607/5-8/77-79/2564.—The Accountant General has ordered under 2nd proviso to F.R. 30(1), the proforma promotion of Shri L. N. Saxena, a permanent Section Officer of this office, to the grade of Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840-1200, retrospectively with effect from the forenoon of 1st January, 1979, until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
CORRIGENDUM

Calcutta, the 13th February 1979

No. 8/G/79.—Entries against Serial No. 1 of the Gazette Notification No. 44/74/G, dated 21-10-1974 may be substituted as under :—

- (1) Shri P. D. Joshi, Pt. Manager—8th July, 1974
 (Under 'next below Rule').

The 3rd March 1979

No. 9/G/79.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri U. K. Das, Subst. & Permit. Assistant Manager retired from service w.e.f. 28-2-1978 (A/N).

No. 15/79/G.—On expiry of 11 days Earned Leave granted to Shri N. S. Theeng, Ofc. Manager (Substantive and Permanent Deputy Manager), he retired from service with effect from 30-11-1978 (A/N), on attaining the age of 58 years.

V. K. MEHTA

Assistant Director General
 Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

**(DEPARTMENT OF COMMERCE)
 (OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS)**

New Delhi, the 7th March, 1979

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
 (ESTABLISHMENT)**

No. 6/765/65-Admn.(G)/2039.—Shri M. G. Talwar, an officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay is dismissed from Government service with effect from the forenoon of the 20th December, 1978.

K. V. SESADRI
 Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
**(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
 OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
 SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi-110011, the 3rd March 1979

No. 12(40)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri K. C. Saha, an officer permanent as Deputy Director (Leather/Footwear) and officiating on *ad-hoc* basis as Director (Gr. II) (Leather/Footwear) in the Small Industry Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 30-11-1978.

M. P. GUPTA
 Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th March 1979

No. A19012(109)/78-Estt.A.—Shri S. N. Mitra, Senior Technical Assistant (Geology) is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian 9—526GI/78

Bureau of Mines with effect from the forenoon of 20th February 1979, until further orders.

No. A-19011(254)/78-Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Prem Srivastava, Asstt. Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to the post of Asstt. Mineral Economist (Int.) in an officiating capacity with effect from the afternoon of 13-2-1979.

S. BALAGOPAL
 Head of Office
 Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 5th March 1979

No. A-19012(43)/76-Estt.A.—In supersession of this Department's Notification of even number dated 22nd November, 1978, it is notified that on the recommendation of Union Public Service Commission, Shri D. N. Ghare, Officiating Deputy Librarian, Indian Bureau of Mines is appointed to officiate as Librarian in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th November, 1978, until further orders.

A. R. KASHAV,
 Administrative Officer
 Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th March 1979

No. 6(140)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. P. Mishra, Transmission Executive, All India Radio, Mathura as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from 31st January, 1979 and until further orders.

H. D. KHERA,
 Deputy Director of Administration,
 for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 7th March 1979

No. A.12026/20/78-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Om Parkash, a permanent Assistant, to officiate as Supervisor in this Directorate on usual deputation terms with effect from 20th February, 1979 (forenoon), until further orders.

2. Shri Krishan Dass, Supervisor relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th February, 1979.

R. NARAYAN,
 Deputy Director (Advtg.)
 for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th March 1979

No. A.12025/7/78(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Manjul, Deputy Assistant Director General (School Health Education), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Deputy Director (School Health Education) in the same Bureau in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 25th January, 1979 until further orders.

2. Consequent on his appointment to the post of Deputy Director (School Health Education), Shri J. S. Manjul relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (School Health Education), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on the afternoon of the 25th January, 1979.

S. L. KUTHIALA,
 Deputy Director Administration (O&M)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT
OFFICE OF THE SUPERINTENDENT INCHARGE C.T.O.

Jaipur, the 25th January 1979

*Notice of termination of service issued under Rule 5(1)
of the Central Civil Services (Temporary Services)
Rules 1965*

Memo No. P-339/10031.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil services (Temporary service) Rules 1965, I hereby give notice to Shri Sohanlal Meena T/Man (O) C.T.O. Jaipur that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice is served on, or as the case may be, tendered to him.

Sd/- ILLEGIBLE
Superintendent Incharge
Central Telegraph office
Jaipur

Acknowledgement

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

Signature of the individual
Designation
Place and date

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)**
**DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
HEAD OFFICE**

Faridabad, the 8th March 1979

No. A-19023/69/78-A.III.—On the recommendations of the D.P.C., the following officers, who were working as Marketing Officer (Group I) on ad-hoc basis, have been promoted to officiate as Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 18-12-78, until further orders.

1. Shri N. L. Kanta Rao
2. Shri U. D. Pande

B. L. MANIWAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400085, the 21st February 1979

No. 7(12)/79-Confirmation/476.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity in the grade of Accounts Officer II in Bhabha Atomic Research Centre with effect from April 1, 1978 :—

Sl. No., Name, Present Grade, Name of the Unit in which serving at present & Permanent post held in B.A.R.C.

1. Shri K. G. R. Nair, Accounts Officer III, B.A.R.C. Accountant.
2. Shri V. Ramaswamy Accounts Officer III D.A.E. Asstt. Acctt. Officer.

New Delhi, the 3rd March, 1979

No. A. 32013/9/78-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till the vacancies are available whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them to station indicated against each :—

S. No.	Name & Designation	Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
<i>S/Shri</i>				
1.	O. P. Chabra, Technical Officer	Aero. Comm. Stn., Palam	Aero. Comm. Stn., Palam	31-1-79 (FN)
2.	C. L. Malik, Technical Officer	Aero. Comm. Stn., Bombay	Aero. Comm. Stn., Bombay	1-2-79 (FN)
3.	K. R. Remanujam, Technical Officer	Aero. Comm. Stn., Bombay	Aero. Comm. Stn., Bombay	1-2-79 (FN)

3. Shri K. Venkatachalam, Accounts Officer III B.A.R.C.
Accountant.

Kum. J.L. B. VIJAYAKAR,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 12th March 1979

No. DPS/A/32011/3/76/Est/7412.—Reference this Directorate Notification of even number dated October 1, 1976. The ad hoc appointment of Shri Janardan Tukaram Nerurkar, to the post of Assistant Purchase Officer is restricted till the afternoon of December 27, 1978.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 12th March 1979

No. Ref. HWPs/Ett/1/P-20/1160.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project w.e.f. November 25, 1978 (FN) to January 6, 1979 (AN) vice Shri S. C. Thakur, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer in Heavy Water Project (Baroda).

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 16th February 1979

No. TAPS/1/19(3)/77-R.—In continuation of this Office Notification of even number dated 25-7-1978, the period of deputation of Shri G. D. Baviskar Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station is hereby extended for a further period of six months from 7-11-1978 to 6-5-1979.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th February 1979

No. A.32013/6/78-EI.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan, Director of Research & Development, in the Civil Aviation Department, to the post of Deputy Director General of Civil Aviation, with effect from the 16th February, 1979 (Forenoon) until further orders.

H. L. KOHLI,
Director of Administration

No. A.32013/15/77-EC.—In partial modification of this Department Gazette Notification No. A.32013/15/76-EC dated 23-11-78, the entries against S. No. 4 thereof are amended as under :—

S. No., Name & Station of posting

4. Shri B. Ramakrishnan, Office of the Controller of Communication, A.C.S., Madras.

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 8th March 1979

No. A.32013/6/76-ES.—In continuation of this office Notification No. A.32013/6/76-ES dated the 23rd August, 1978, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of the undermentioned officers to the grade of Aircraft Inspector upto 30-6-1979, or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier :—

1. Shri Anupam Bagchi
2. Shri S. Majumdar
3. Shri H. M. Phull

4. Shri L. A. Mahalingam
5. Shri A. K. Ray
6. Shri S. P. Singh
7. Shri D. P. Ghosh
8. Shri L. M. Mathur
9. Shri Harihar Prasad
10. Shri R. N. Sastry.

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 26th February 1979

No. 35/1979.—Shri Pritam Singh Sial, Chief Accounts Officer posted at Central Excise, Hdqrs. Office, Allahabad relinquished his charge in the afternoon of 31st December 1978 and retired from Govt. service on attaining the age of superannuation.

D. P. ARYA,
Collector
Central Excise, Allahabad

Patna, the 6th March 1979

No. II(7)2-ET/79/2427.—In pursuance of Ministry of Finance order No. 172/78 dated 28-10-78 issued under F. No. A. 22012/26/78-Ad. II, the following officers have assumed charge as Assistant Collector of Central Excise/Customs (junior Scale)/Superintendent, Customs, Group 'A' as indicated below :—

Sl. No.	Name of Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
1.	Shri B. S. Prasad	Assistant Collector Central Excise, Patna.	27-11-78 (F.N.)
2.	Shri J. Majumdar	Superintendent, Group 'A', Customs, Birpur.	15-11-78 (F.N.)

The 8th March 1979

No. II(7)2-ET/79/2511.—The following officiating Assistant Collectors of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each :—

Sl. No.	Name	Designation	Date of Superannuation
1	2	3	4
1.	Shri U. C. Chatterjee	Assistant Collector, Central Excise	31-1-79 (A.N.)
2.	Shri R. K. Pandey	Do.	28-2-79 (A.N.)

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise, Patna

Bombay, the 27th January 1979

CORRIGENDUM

F. No. II/3E(a)2/78 PLI.—The date of assumption of charge of Kum. V. V. Joglkar, shown against S. No. 10 of the Collectorate of Central Excise, Bombay's Notification No. II/3E(a)2/78 dated 22-8-1978 may be read as 18-1-1978 F.N. instead of 17-1-1978 F.N. shown therein.

E. R. SRIKANTIA,
Collector of Central Excise
Bombay

Kanpur, the 12th March 1979

No. 9/79.—Shri Jaswant Singh, confirmed Superintendent, Central Excise, Group 'B' handed over the charge of Superintendent, Central Excise Group 'B' MOR. I, Sahibabad, Ghaziabad-II division to Shri Bhagwan Singh, Superintendent, Central Excise, MOR. II, Sahibabad, Ghaziabad-II division in the afternoon of 31-1-1979 & retired from Government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-1-1979.

K. L. REKHI,
Collector

**DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 12th March 1979

No. 3/79.—Shri R. L. Narayanan, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B', Madras Collectorate on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Hyderabad Vide Directorate's order F. No. 1041/17/78 dated 18-12-78, assumed Charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 10-1-79 (Forenoon).

M. V. N. RAO,
Director of Inspection

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD****OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Aakash Chit Fund & Trading Co. Private Ltd.
New Delhi, the 24th February 1979*

No. 3816/3628.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Aakash Chit Fund & Trading Co. Private

Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
In the matter of M/s Agrico & Electricals Private Limited,
Indore.*

Gwalior, the 9th March 1979

No. 1028/R/8283.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Agrico & Electricals Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA,
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

Jullundur, the 6th March 1979

No. G/Stat/2798/560/12976.—Whereas Malik Lucky Scheme & Finance Private Limited, having its registered office at 208, Verma Bldg, Chahar Bagh, Jullundur is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting

that the affairs of the company have been completely wound up, and that statement of Accounts (returns)† required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Malik Lucky Scheme & Finance Private Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 16th February, 1979

INCOME-TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 829—In exercise of the powers conferred by the sub-Section (2) of the Section 117 of the I.T. Act, 1961 (Act 43 of 1961), I, Shri V. K. Sonde, Commissioner of Income-Tax Bombay City-I, Bombay, have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to officiate as Income-tax Officers, Class-II with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

S/Shri

1. A.V. Rao	Inspector	25-11-78 (F.N.)
2. D.T. Balani	Inspector	29-11-78 (F.N.)
3. P.M. Ghee Verghese	Inspector	22-11-78 (F.N.)
4. G.J. Talreja	Inspector	21-11-78 (F.N.)
5. P.K. Gopalakrishnan	Inspector	21-11-78 (F.N.)
6. B.T. Shidhaye	Inspector	21-11-78 (A.N.)
7. Miss M. Chandra	Inspector	20-11-78 (F.N.)
8. V.K.P. Menon	Inspector	21-11-78 (F.N.)
9. R.K. Satam	Inspector	20-11-78 (F.N.)
10. K.R. Sreenivasan	Inspector	20-11-78 (F.N.)
11. A.N. Tiwari	Inspector	20-11-78 (F.N.)
12. Mrs. A.K. Thadani	Inspector	21-11-78 (F.N.)
13. P.K. Dharmarajan	Inspector	21-11-78 (F.N.)
14. N.C. Nair	Inspector	20-11-78 (F.N.)
15. Mrs. L.G. Menon	Inspector	23-11-78 (A.N.)
16. K.L. Ludhwani	Inspector	29-11-78 (F.N.)
17. M. Vijaya Chandran	Inspector	22-11-78 (A.N.)
18. P.B. Rane	Inspector	25-11-78 (F.N.)
19. S. Ganapathy Iyer	Inspector	21-11-78 (F.N.)
20. P.R. Nair	Inspector	20-11-78 (F.N.)
21. P.L. Davies	Inspector	20-11-78 (F.N.)
22. H.C. Hinduja	Inspector	21-11-78 (F.N.)
23. A.P. Thorat	Inspector	20-11-78 (A.N.)
24. Mrs. R.A. Gupte	Inspector	21-11-78 (F.N.)
25. S.K. Pawar	Inspector	20-11-78 (A.N.)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad V dated 25-4-75 from the Government of India, Ministry of Finance (Dept't. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and/or retention in the post will depend upon the successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

V. D. SONDE,
Commissioner of Income-tax

New Delhi, the 7th March 1979

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/78-79/46955.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circles shall be created with effect from 2-3-1979.

Distt. IV(1), New Delhi.

No. JUR-DLI/V/78-79/47096.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V hereby directs that I.T.O. Distt. IV (1) New Delhi shall have concurrent jurisdiction with Income-tax Officer, District-JV(6) New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the case assigned u/s 127 or which may here be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-V also authorises the I.A.C. V-C to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the IT Act 1961.

This notification shall take effect from 2-3-1979.

K. R. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CORRIGENDA

Ludhiana the 12th March 1979

F. No. PTA/51/78-79.—In the Notification No. PTA/51/78-79 dated 9-2-1979 published at page 2209 of the

Gazette of India, Part III, Section I dated 17-3-1979 in respect of property purchased by S/Shri Jagjit Singh and Inderjit Singh s/o Capt. Bhajan Singh, 23-B, Model Town, Patiala, the following may be inserted against Serial No. 3 (persons in occupation of the property) :—

1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh,
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gijja Singh,
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh,
6. Shri Harminderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh, sons of Shri Sucha Singh.

No. F. No. PTA/49/78-79.—In the Notification No. PTA/49/78-79 dated 9-2-1979 published at page 2217 of the Gazette of India, Part III, Section I dated 17-3-1979 in respect of property purchased by M/s Gurdev Singh Grewal and Company, 23-B, Model Town, Patiala, the following may be inserted against Serial No. 3 (persons in occupation of the property) :—

1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh,
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh,
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh,
6. Shri Harminderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh, sons of Shri Sucha Singh

all residents of Village Galhori, Tch. & Distt. Patiala.

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS.

LIST OF PROMISSORY NOTES AND DEBENTURE KEPT IN THE CUSTODY OF

[VIDE PARA 139(F) OF THE

POSTS AND TELEGRAPHS, CALCUTTA

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978

P&T AUDIT MANUAL, VOL-II]

4%	4-1/4%	4-1/2%	4-1/2%	4-3/4%	4-3/4%	5%	5-1/2%	5-1/2%	Names of Pledges
1979	1973	1955-60	1985	1989	W.B.	1982	1991	1995	
									Loan 1976
12	13	14	15	16	17	18	19	20	
									(P.M.G Bengal & Assam) Bangladesh
..	1. P.M. G. Punjab Tele. office
..	2. "
..	3. Chief Supdt. C.T.O. Cal.
..	4. "
..	5. Controller Telegraph Office, Alipur.
..	6. Manager Telegraph Workshop, Alipur.
..	7. Chief supdt. C.T.O. Bombay
..	8. "
..	9. "
..	10. "
..	11. "
..	12. "
..	13. "
..	14. "
..	15. "
..	16. "
..	17. "
..	18. "
..	19. "
..	20. Chief Supdt. C.T.O., New Delhi.
..	21. Supdt. in charge Telegraph Office Karachi.
..	22. "
..	23. "
..	24. "
..	25. Telegraph supervisors (N)-in-charge D.T.O. Matunga Bombay.
..	26. Chief Supdt. C.T.O. Bombay
..	27. "
..	28. Supdt-in-charge Telegraph Office Karachi.
..	29. Supdt. Telegraph Office, Karachi.
..	30. Supdt-in-Charge Telegraph Office, Karachi.
..	31. Chief Supdt. Telegraph Office, Lahore.
..	32. Chief Supdt. C.T.O. Rawalpindi.
..	400	33. Supdt-in-Charge Telegraph Office, Karachi.
..	34. Chief Supdt. C.T.O., Bombay.
..	35. "
..	800	36. "
..	2,500	37. Chief-supdt. C.T.O. Poona.
..	5,000	38. Chief supdt. C.T.O. Bombay.
..	..	5,000	39. Chief supdt. C.T.O. Calcutta.
..	..	500	40. Chief supdt. C.T.O. Bombay.
..	41. "
..	42. "
..	35,000	43. "
..	15,000	44. "
..	40,000	45. "
..	30,000	46. "
..	700	47. "

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS

LIST OF PROMISSORY NOTES AND DEBENTURE KEPT IN THE CUSTODY OF

[*VIDE* PARA 139(F) OF THE

POSTS AND TELEGRAPHS, CALCUTTA

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978—Contd.

P&T AUDIT MANUAL, VOL-II

4-3/4% Kerala 1976	4-1/2% Kerala 1974	6-1/2% 2000	5-3/4% 2002	5-3/4% W. Bengal 1982	5-3/4% 2003	5-1/2% Comp Bond 1999	6% Maha- rashtra State Loan 1985	Name of Pledgee
30	31	32	33	34	35	36	37	
P.M.G. (Bengal Assam) Bangladesh								
..	1. P.M.G. Punjab Tele. office
..	2. "
..	3. Chief supdt. C.T.O. Cal.
..	4. "
..	5. Controller of Telegraph office Alipur.
..	6. Manager Telegraph workshop Alipur.
..	7. Chief supdt. C.T.O. Bombay.
..	8. "
..	9. "
..	10. "
..	11. "
..	12. "
..	13. "
..	14. "
..	15. "
..	16. "
..	17. "
..	18. "
..	19. "
..	20. Chief stupdt. C.T.O. New Delhi.
..	21. Sudpt. in charge Telegraph office, Karachi.
..	22. "
..	23. "
..	24. "
..	25. Telegraph supervisors (N)-in-charge D.T.O. Matunga Bombay.
..	26. Chief supdt. C.T.O. Bomay.
..	27. "
..	28. Supdt-in-charge Telegraph Office Karachi.
..	29. Supdt. Telegraph Office Karachi.
..	30. Supdt-in-charge Telegraph Office Karachi.
..	31. Chief Supdt. Telegraph Office, Lahore.
..	32. Chief supdt. C.T.O. Rawalpindi.
..	33. Supdt in-charge Telegraph Office Karachi.
..	34. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	35. "
..	36. "
..	37. Chief supdt. C.T.O. Poona.
..	38. Chief supdt. C.T.O. Bombay
..	39. Chief supdt. C.T.O. Cal.
..	40. Chief supdt. C.T.O. Bombay.
..	41. "
..	42. "
..	43. "
..	44. "
..	45. "
..	46. "
..	47. "

LIST OF PROMISSORY NOTES AND DEBENTURE KEPT IN THE CUSTODY OF

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
48.	Mehta Vakil & Co.
49.	Development Secretary (F) Life Insurance Corporation of India	.	..	9,000
50.	Indian Over Seas Bank
51.	Indian Over Seas Bank
52.	Indian Overseas Bank
53.	Indian Over Seas Bank
54.	United Bank of India
55.	M/s Lionel Edwards Ltd.
56.	M/s Mackinon Mackenzie & Co. (P) Ltd.
57.	M/s Balliwala & Karani
58.	United Bank of India 16 old Court house St. Cal-1
59.	Industrial Development Bank of India
60.	M/s Allahabad Bank, Cal. Br.
61.	United Bank of India 16 old Court house St. Cal-1
62.	Indian Over Seas Bank
63.	Indian Over Seas Bank
64.	Greaves Cotton & Co. Ltd.
65.	Greaves Cotton & Co. Ltd.	100	..
66.	Killick Nixon Ltd.
67.	Lionel Edward Ltd.
68.	Maharashtra State Co-operative Bank

1,45,20	9,000	1,300	400	..	3,000	100	1,000
---------	-------	-------	-----	----	-------	-----	-------

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978—Contd.

12	13	14	15	16	17	18	19	20
..	700 48. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	49. Telegraph in charge Departmental Tele. Office Santacruz, Bombay
..	5,000	50. Chief-Supdt. C.T.O. Madras.
..	10,000	51. "
..	5,000	52. "
..	500	53. Chief-Supdt. C.T.O. Calcutta
..	54. "
..	55. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	56. "
..	57. "
..	58. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	59. Chief Supdt. C.T.O. Bombay
..	60. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	61.
..	62. Chief Sudt. C.T.O. Madras.
..	63. "
1,000	64. Chief supdt. C.T.O. Bombay
..	65. "
..	66. "
..	67. "
..	68. "

1,000	..	400	5,500	20,500	..	1,20,000	8,300	700
-------	----	-----	-------	--------	----	----------	-------	-----

LIST OF PROMISSORY NOTES AND DEBENTURE KEPT IN THE CUSTODY OF

1	2	21	22	23	24	25	26	27	28	29
48.	Mehita Vakil & Co.	300	..
49.	Development Secretary (F) Life Insurance Corporation of India
50.	Indjan Over Seas Bank
51.	Indian Over Seas Bank
52.	Indian Over Seas Bank
53.	Indian Over Seas Bank
54.	United Bank of India	25,000
55.	M/s Lionel Edwards Ltd.	76,700	6000
56.	M/s Mackinon Mackenzie & Co. (P) Ltd.	1,100
57.	M/s. Balliw la & Karani	50,000
58.	United Bank of India 16 Old Court House St. Cal-1
59.	Industrial Development Bank of India
60.	M/s Allahabad Bank, Cal- Br.
61.	United Bank of India 16 Old Cort House St. Cal. 1
62.	Indian Over Seas Bank
63.	Indian Over Seas Bank
64.	Greaves Cotton & Co. Ltd.
65.	Greaves Cotton & Co. Ltd.
66.	Killick Nixon Ltd.	4,000
67.	Lional Edward Ltd.
68.	Maharashtra State Co-operative Bank

1,500	3,000	1,52,800	6,000	300	4,000
-------	-------	----------	-------	-----	-------

DIRECTOR GENERAL, POSTS AND TELEGRAPHS ON 31ST MARCH 1978—Concl.

30	31	32	33	34	35	36	37
..	48. Chief Supdt. C. T. O. Bombay
..	49. Telegraph in charge Departmental Tele. Santacruz, Bombay.
..	50. Chief Supdt. C.T.O. Madras.
..	51. "
..	52. "
..	53. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	54. "
..	55. Chief Supdt. C.T.O. Bomay.
..	56. "
..	57. "
..	58. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	13,500	59. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	50,000	60. Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
..	..	25,000	61. "
..	20,000	62. Chief Supdt. C.T.O. Madras.
..	3,000	63. "
..	64. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
..	65. "
..	66. "
..	4,000	..	67. "
..	25,000	68. "

..	13,500	25,000	50,000	23,000	4,000	25,000
----	--------	--------	--------	--------	-------	--------

No. Publication/G.S.-2733 dated 6-3-1979
 (Sd.) ILLEGIBLE
 Accounts Officer
 (Postal) Calcutta

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 8th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/136.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land in village situated at Sunder Check, Teh. Pathankot (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurjan Ditta
S/o Shri Nathu s/o Koda Ram
Narot Mehra, Teh. Pathankot Distt.
Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Shri S. Gopal Singh s/o Deva Singh
Son of Shri Mehma Chand,
Village Lahri Bawian, Tehsil Pathankot,
Distt. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s)
if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals 2 Marlas in village Sunder Check Teh. Pathankot Distt. Gurdaspur vide Registered Deed No. 681 dated 13-6-1978 of registering authority Pathankot Distt. Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 8-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baldev Raj Kalra
S/o Shri Ram Rakha aMl Kalra
Near Chowk Dhangu, Pathankot.

(Transferor)

(2) Dr. Anirudha Mohan
S/o Shri Jagdish Parshad
Near Fire Brigade Office.
Main Bazar, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at S. No 2 above mentioned and tenant(s)
if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 9th March 1979

Ref. No. PKT/78-79/144.—Whereas, I, G. L. GAROO IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land 13 Marlas situated at Mission Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pathankot in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Marlas (155 Sq. Ft.) on Mission Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed 523 dated 2-6-1978 of Registering Authority, Pathankot Distt, Gurdaspur.

G. L. GAROO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1979

Ref. No. PKT/78-79/143.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 13 Marlas 155 sq. ft. situated at Mission Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pathankot in June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baldev Raj Kalra
S/o Shri Ram Rakha Mal Kalra
Near Chowk Dhangu, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Dr. Ravinder Mohan
S/o Shri Jagdish Parshad
Near Fire Brigade Office,
Main Bazar, Pathankot.
Distt. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s)
if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Marlas (155 Sq. Ft.) on Mission Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed 523 dated 2-6-1978 of Registering Authority, Pathankot Distt. Gurdaspur.

G. L. GAROO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Santa Singh S/o Sadhu Singh
2. Shri Balbir Singh
3. Anup Singh
S/o Bakshish Singh
R/o Rajpur Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. J. Tarsem Singh S/o Santa Singh
2. Gurdip Kaur W/o Bikram Singh
Village Laroi Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1889.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Vill. Laroi Teh. Juc. Vill. Laroi Teh. Juc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3496 of July 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
11—\$26 GI/78

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1888.—Whereas, I, B. S. DEHIIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having as per schedule situated at Vill. Larozi Teh. Juc. Vill. Larozi Teh. Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Santa Singh S/o Sudhu Singh
2. Shri Balbir Singh
3. Anup Singh
S/o Bakshish Singh
R/o Rajpur Th. Jullundur

(2) 1. Tarsem Singh Singh S/o Santa Singh
2. Gurdip Kaur W/o Bikram Singh
Village Larozi Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3480 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Mrs. Sheela Mandal W/o Mr. H. D. Mandal,
S-450A, Greater Kailash, New Delhi-110048.
(Transferor)

(2) Dr. Madan Mohan S/o Balwant Rai
Bhagwati Bhawan, New Court Road,
Civil Lines, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1887.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at New Court Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2743 of July 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Balraj Pahwa S/o Manohar Lal,
229-Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP No 1886.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

AS PER SCHEUDLE

situated at Green Park, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Balraj Pahwa S/o Manohar Lal,
229-Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Jit Puri,
226-Green Park, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at Green Park, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3275 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Inderjit Singh S/o Baksha Singh,
486, Garha Road, Jullundur.
(Transferor)

(2) Dr Sushma Chopra W/o, B. S. Chopra,
Patel Hospital, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3390
of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1884. Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Civil Lines, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Inderjit Singh S/o Baksha Singh,
486, Garha Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Dr. Ramesh Kanta Sharma
W/o Dr. S. K. Sharma,
Patel Hospital, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3315 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Narinder Paul Singh s/o Gian Singh,
Fazal Bawali, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Sant Ram Duggal S/o Raghunath
II, No. 128/3, Central Town,
Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1883.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Jullundur near Bye Pass
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Jullundur in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforeaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3053
of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
 JULLUNDUR**

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1882.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Village Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Ram Singh S/o Diwan Singh
 Village Raipur, Teh. Jullundur,
 (Transferor)
- (2) S/Shri Pritam Singh, Sital Singh, Kundan Singh
 Ss/o Mehnaga Singh S/o Dhanna
 R/o Raipur Teh. & Distt. Jullundur.
 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village Raipur Tehsil Jullundur as mentioned in the Registering Sale Deed No. 2882 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kharaiti Lal S/o Nihal Chand
Bhargo Camp, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

- (2) Smt. Sudhershan Murria W/o Kishan Chand
90-New Grain Market, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1881.—Whereas, I, B. S. DEHTIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- AS PFR SCHEDULE

and bearing No.

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3393 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHTIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 13-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—
12—526GI/78

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th March 1979

Ref. No. AP-1880.—Whereas, J. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Jaswant Kaur W/o Dalip Singh
30-L, Model Town, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh S/o Ram Singh
Surinder Kaur W/o Jagjit Singh,
30-L, Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration sale Deed No. 3205 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikab Gunj,
Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Nirankar W/o M. N. Singh,
H. No. 5-9-96 Opposit Public Garden,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC No 305/78-79—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop 15 in premises 5-8-522 situated at Chiragali lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15 part of premises No. 5-8-522, situated at Chiragali lane, Abids Road, Hyderabad, comprising of 25.55 Sq. Yds. registered vide Document No. 1982/78 in the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 306/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-45, 75 to 79 situated at A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 22-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
 (1) 1. Roy Winston Stewart,
Western Australia,
2. Mrs. Marie Therese Catherine Stewart,
W. Australia
3. Patrick John Stewart,
4. Gregory Murray Stewart,
5. Daisy Marian Adamson,
6. Noreen Bernadette Therese Stephens,
7. Donald Bruce Stewart,
8. John Allen Coutts Stewart,
9. Gordon Herbert Stanley Stewart,
10. Maureen Beatrice Edwards,
11. Jean Elsie Alice Edwards,
12. Lorna Violet Selina Crammond,
All residing at Australia. All the vendors represented by Sri Habeeb Ansari, Advocate, 828 Nizamshai Road, Hyderabad.

(Transferor)

- S/Shri
 (2) 1. C. Poorniah,
2. M. Venkateswarlu
3. E. Krishnamurthy,
4. G. Prabhakara Rao,
5. M. S. R. Subrahmanyam,
6. P. Kodandla Kamiah,
7. C. V. Venkatachadha Sastry,
8. J. R. G. Subrahmanyam,
9. S. Ranga Reddy,
10. P. Srikrishna Murthy,
11. C. Satyavathi,
12. T. Sesagiri Rao,
13. Satyanarayana Raju,
14. M. Ramachandra Rao,
All residing at Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that house, outhouses, hereditaments and premises together with land admeasuring about 7000 Sq. Yds. bearing M. No. 6-2-45, 75 to 79 situated at A.C. Guards, Hyderabad, registered vide Document No. 1702/78 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 307/78-79.—Whereas, L. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Nos. 13, 14 of 5-8-522 situated at Chiragali Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Jagdish Pershad,
21-1-293 at Rikab Gunj,
Hyderabad.

(Transfors)

(2) Mir Nusrath Ali,
H. No. 18-8-4 at Eadi Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Room No. 13 and 14 part of premises No. 5-8-522 at Chiragali Lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2384/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/S. Bharat Construction Co.,
15-1-503 Siddambar Bazar, Hyderabad,
(Transferor)
- (2) Smt Sheela Doshi W/o Sri Subhash Doshi,
15-1-503, B-30 Ashok Market Siddambar Bazar,
Hyderabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC No. 308/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-1-503, B-30 situated at Siddambar Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Doodbowli on 22-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

2nd floor flat (single room) bearing M. No. 15-1-503/B-30 at Ashok Market, Siddambar Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 639/78 in the Office of the Sub-Registrar, Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bharat Construction Co.,
15-1-503 at Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 309/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/B-31 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on 26-6-78
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Pushpa Doshi W/o Ramesh Doshi,
15-1-503, B-31 at Ashok Market at Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor flat (Single room) M. No. 15-1-503/B-31 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad, registered vide document No. 670/78 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli

K. S. VENKATARAMAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Mahavcer Pershad Jain,
H. No. 15-1-561 Mahaboobgunj, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kokila Bin, Mehta,
W/o Jayanthilal Mehta,
H. No. 1-10-246 at Ashoknagar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 310/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15-1-503/A/59 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops in premises M. No. 15-1-503/A59, admeasuring 289.34 Sq. Ft. situated at Peekhana, Siddiamber Bazar, Hyderabad, registered vide Document No 671/78 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Sri A. Nageswara Rao,
H. No. 16-1694 at Ramamurthy nagar,
Nellore

(Transferor)

(2) Smt. Thiruveedhi Nagarathnamma,
of R/o Thoomattvaripalem, Kanivilliq
Prakashm- Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1979

Ref. No. RAC. No. 311/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port. 16/25 situated at Jonalagadavari Street, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on June, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of door No. 16/25 situated at Jonnalagadda Vari Street, Nellore, known as "MANZU HOTEL" registered vide document No. 1281-78 in the Joint Sub-Registrar, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

13—526GI/78

FORM ITNS

- (1) M/s. Jabbar Real Estate,
54-Nallagutta, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Sri M. Sultan Mohiuddin,
Division Forest Officer,
Paloncha-Khammam-Dist.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 312/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 17 on G.G. situated at 1-11-252/1, Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on 2-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 17 on 2nd floor of premises No. 1-11-252/1 situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1430/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Swastic Construction Co.,
111-S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

- (2) 1. I. Anjaneya Sharma,
2. I. V. Krishna Sharma,
3. I. Ashok Sharma,
4. Gopal Sharma,
5. Smt. T. Mangamma,
All residing at Yellamgutta,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC No. 313/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

327 in IIIrd floor situated at Chandralok Complex,
Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 7-6-68

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office No. 327 in IIIrd floor of Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1491/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS(1) Swastik Construction Co.,
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 314/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority, under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 Flat No. B-2/3 and Garage No. 8
 Secunderabad on 7-6-78
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
 of the Registering Officer at
 Secunderabad on 7-6-78
 for an apparent
 consideration which is less than the fair market value of the
 aforesaid property, and I have reason to believe that the fair
 market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(2) Master G. V. Sanjay,
 6-3-1089/A/5 at Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2/3 and garage No. 8 at Chandralok Complex,
 situated at S. D. Road, Secunderabad, registered vide
 Doc. No. 1568/78 in the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastick Construction Co.,
111-S.D. Road, Secunderabad.
(Transferor)

- (2) 1. S/Shri J. Anjaneya Sharma,
2. I. V. Krishna Sharma,
3. I. Ashok Sharma,
4. I. Gopal Sharma,
All residing at Vellamagutta,
Nizamabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 315/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.
325 on IIIrd floor situated at Chandralok Complex,
Secunderabad

(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Secunderabad on 7-6-1978

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

THE SCHEDULE

Office No. 325 in IIIrd floor of Chandralok Complex,
situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide
Document No. 1599/78 in the Sub-Registrar Secunderabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastick Construction Co.,
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Nooruddin,
H. No. 10-5-113 at New Ahmednagar,
Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 316.78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 335 in IIIrd floor of Chandralok Complex (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on 7-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 335 in IIIrd floor of Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1606/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. United Builders,
9-1-41 Tobacco Bazar,
Secunderabad (Partnership Firm).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bharat Kumar S/o Sundermal,
II, No. 21-2-772 at Patel Market,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC. No. 317/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 26 situated at 139 M. G. Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on June-78
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26 on ground floor of the premises No. 1-7-27
to 34 and 1-7-206 to 228 (Old No. 139) situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1479/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref No. RAC No. 318/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
shop No. 27 in Premises No. 139 situated at M.G. Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on June-78
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

(1) M/s. United Builders,
Partnership Firm, situated at 9-1-41 Tobacco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sangeeta Devi W/o Sri Aravinda Kumar,
H. No. 21-2-772 at Patel Market,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 27 in the premises No. 139 situated at S. D.
Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1509/78
in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. United Builders, 9-1-41 at Tabaco Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Prabhavai D/o Domodhar Dass.
H. No. 15-7-247 Begum Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC No. 319/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 13 situated at S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 13 on the ground floor in the premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 to 228 situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad registered vide Document No. 1591/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of a notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—
14-526GI/78

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No RAC No 320/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing shop No. 6 in 1-2-27 to 34 M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on July-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. United Builders, Partnership Firm, Office No. 9-1-41 at Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Anjan Kumar S/o Mahender Kumar H. No. 21-7-650 at Gandhi Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on the ground floor of premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 to 228 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1786/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri L. V. Sudhakar S/o L. V. Krishnamurthy,
H. No. 539 at Balaji Colony,
Thirupathi, A.P.

(Transferor)

(2) Shri P. Balaramaiah Chetty S/o Chengalrai Chetty,
H. No. 324 at Kothaveedhi,
Thirupathi, A.P.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th February 1979

Ref. No. RAC No. 321/78-79-- Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 539 situated at Balaji Colony, Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on 28-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 539 situated at Balaji Colony, Thirupathi, Chittoor-Dist. registered vide Doc. No. 1767/78 in the office of the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th February 1979

Ref. No. RACI. No. 346/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No 106 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri P. Nageswara Rao,
108 at Shantinagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 106 on first floor on Sagarview Building at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2162/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastik Builders,
1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th February 1979

Ref. No. RAC. No. 347/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 212 situated at Sugarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri G. Purushotham Rao,
H. No. 1-2-43/1 at Gaganmahal Road,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 212 on Second floor of Sugarview Building at 1-2-524/3 Domulguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2320/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Jagdish Pershad,
21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Bai W/o Shri Jagdish Pershad,
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th February 1979

Ref. No. RAC. No. 348/78-79.—Whereas, I, K. S. VI-N-KATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Store No. 17 in chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17 portion of H. No. 5-8-522 at Chiragalli Lane, Hyderabad registered vide Document No. 2287/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VI-N-KATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B. Surender, S/o late B. Gurruvaiah, II. No. 3-5-1082 at Narayanguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Kavita, W/o Dr. K. Ramanuj Chary, II. No. 3-4-703 at Narayanguda, Hyderabad
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref. No. RAC No. 349/78-79. Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot situated at 3-5-1082 at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in premises No. 3-5-1082 at Jaiswal Lane, Narayanguda, Hyderabad, admeasuring 732 Sq. Yds. registered vide Document No. 2061/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 15-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Dinesh Kumar Patel, 2, Radha Bai, W/o late K. M. Patel, 3, Meena Kumari, 4, Rekha Kumari, 5, Piyash Kumar, all residing at 3-6-65/1 at Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. Mahesh Reddy, Advocate, R/o Kamaram-Village, Medak-Tq. Medak-Dist

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref No RAC No 350/78-79. Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Murlidharbagh Hyderguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 9 situated at Murlidhar Bagh, Hyderguda, Himayathnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 2337/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jeehani Begum, W/o late Syed Abdul Khader Razvi, H. No. 5-9-209/40 at Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. J. Aravinda Grace Wesley, W/o Mr. Jella John Wesley, H. No. 3-6-209 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Office of the INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref. No. RAC No. 351/78-79.—Whereas, I,

K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of House No. 3-6-209 situated at Himayatnagar, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3-6-209 at Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 895 Sq. Yds. registered vide Document No. 2379/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—526GI/78

Date : 15-2-1979

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1979

Ref. No. RAC No. 352/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land in S. No. 30 situated at Thirmalgiry, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Savithri W/o Sri V. Sundaram, H. No. 5-2-10 at Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd., 52-A, Subastian, Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant portion of land in Survey No. 30 situated at Thirmalgiry Secunderabad, admeasuring 12400 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1522/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 15-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Saraswathi, W/o Sri J. Lakshminarasimham, II, No. 52-10 at Hyderbasti, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd., 52-A at Subastian Road, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 353/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion in S. No. 3 situated at Thirumalgiry Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on June 78 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land in Survey No. 30, admeasuring 12.400 Sq. Yds. situated at Thrimulgherry village, Secunderabad, registered vide Document No. 1528/78 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 16-2-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 354/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of land in S. No. 30 at Thirumalgury, Sec-bad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri V. V. Ramam, S/o late Sri A. Vaidyanatha Iyer, H. No. 52-16 at Hyderabad, Secunderabad.
 (Transferor)

(2) The Postal Employee Co-operative Housing Society Ltd., at 52-A Sebastian Road, Secunderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of vacant land in Survey-No. 30, admeasuring 12400 Sq. Yds. situated at Thirumulgiry, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1537/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 16-2-1979

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 355/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of land in S. No. 30 at Thirumalgiry, Sec-bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on June 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri V. V. Raman, S/o late Sri A. Vaidyanatha Iyer, H. No. 52-10 at Hyderbasti, Secunderabad. (Transferor)
(2) The Postal Employees Co-operative Housing Society, Ltd, 52-A Sebastian Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land in survey No. 30, admeasuring 12400 Sq. Yds. situated at Thirumulgery, village, Secunderabad, registered vide Document No. 1541/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1979

Ref. No. RAC No. 356/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-44-in Survey No. 7 at Darga Husain Shah Wali, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Molid Ilyas Ahmed, S/o Seth Shaik Hashan, Ahmed, "R/o 'Baithul Noor" Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Oasis Educational Society, Represented by Sri B. L. Narayana, Secretary, R/o H. No. 4-44 at Darga Husain Shah Wali, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-44, and land in Survey No. 7 situated at Darga Husain Shah Wali, Hyderabad-West admeasuring 3.01 Acre, and 50 Sq. Yds. (12300 Sq. Mts.) registered vide Document No. 2435/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 16-2-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. C/A5/SR.Karveer/Oct. '78/414.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 58, situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karveer on 7-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Mira Achut Bhagwat,
58, Pratibhanagar, Kolhapur (now at Pune).
(Transferor)
- (2) Shri Purushottam Vasudeo Deshpande,
2049, 11th Lane, Rajarampuri, Kolhapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Plot No. 58, Pratibha Nagar Co-operative Housing Society, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2592 dated 7-10-78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Dated : 27-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Purushottam Bhagwant Sulalhc,
Barsi, now residing at 1180/4, Shivaji Nagar,
Pune-5.
(Transferor)

(2) (1) Dr. Jawaharlal Motilal Doshi
(2) Motilal Jeevan Doshi,
Solapur Road, Barsi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/S.R.Barsi/Oct'78/417.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
C.T.S. No. 2902 & 2900 situated at Barsi, Dist. Solapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Barsi on 9-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.T.S. No. 2902 and 2900 at Barsi, Dist.
Solapur.

(Property as described in the sale deed registered under
No. 1724 dated 9-10-78 in the office of the Sub-Registrar,
Barsi).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Dated : 27-2-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004**

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/SR.Karad/Sept'78/412.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.

R.S. No. 699/1 situated at Karad, Dist. Satara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Karad on 4-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Vyanktesh Pandurang Joshi, 2. Shri Ram-
chandra Vyankatesh Joshi, 3. Shri Laxman Vyank-
tesh Joshi, 4. Shri Trimbak Vyankatesh Joshi,
all at Sangli.

(Transferor)

(2) 1. Shri Lalchand Chotalal Shah, 2. Shri Popatil
Chotalal Shah, 122, Shaniwar Peth, Karad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Agri. land R.S. No. 699/1 situated at Karad, Dist. Satara.
(Property as described in the sale deed registered under
No. 2509 dated 4-9-78 in the office of the Sub-Registrar,
Kanad).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

16—526GI/78

Dated : 27-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Gajanan Dattatraya Nampurkar, 2.
Ramabai Dattatraya Nampurkar, Adarshanag
Pune-9.

(Transferor)

(2) Smt. Vatsalabai Vanji Kothawade,
Nijampur, Tal. Sakri, Dist. Dhulia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/SR.Dhulia/Aug'78/416.—
 SMT. P. LALWANI,
 being the Competent Authority under Section (Whereas, I,
 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immoveable property having
 a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 C.T.S. No. 1413, Galli No. 4, situated at Dhulia
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Dhulia on 9-8-78

for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property, and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at C.T.S. No. 1413, Gali No. 4 at Dhulia.
 Area : 181.4 sq. mt.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1924 dated 9-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Dhulia).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. P. LALWANI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-2-1979

Seal :

—
IN
R.—
FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

(1) Mrs. Asha Laxman Joshi,
Joshi Galli, Ajara (Kolhapur).
(Transferor)

(2) 1. Mrs. Pramilabai Ganappa Prasadi,
2. Shri Vishwanath Ganappa Prasadi,
3. Shri Sadanand Ganappa Prasadi,
4. Shri Shashikant Ganappa Prasadi,
At Gadchinglaj, Dist. Kolhapur.
(Transferee)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. CA5/SR.Gadchinglaj/Aug'78/415.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 122, plot No. 12 situated at Gadchinglaj, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Gadchinglaj on 22-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 122, plot No. 12 at Gadchinglaj, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1601 dated 22-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Gadchinglaj).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona).

Dated : 27-2-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 POONA-411004

Poona-411004, the 27th February 1979

Ref. No. CA5/SR.Karad/Sept'78/413.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Agri. land at R.S. No. 699/2/1 situated at Karad, Dist.
Satara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Karad on 4-9-78
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reasons
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Indirabai Shankar Joshi,
'Gulmohor', Sane Guraji Marg, Pune-30.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Lalchand Chotalal Shah,
2. Shri Popatil Chotalal Shah,
122, Shaniwar Peth, Karad, Dist. Satara.
(Transferee)
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said Act.
They shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land at R.S. No. 699/2/1 at Karad, Dist. Satara
H.R.
Area : 0—37

Property as described in the sale deed registered under
No. 2510 dated 4-9-78 in the office of the Sub-Registrar
Karad).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona-411004

Dated : 27-2-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Binoy Krishan Shome, 2. Shri Kedar Nath Dey and 3. Matilal Dey of Hailakandi.
(Transferor)
- (2) Smt. Priti Rani Nandi, W/o Shri Nalini Kanta Nandi Lama Villa Road, Shillong.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 9th March 1978

Ref. No. —Whereas, I,
R. N. BARA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patta No. 9, 37, 63, 65, Dag No. 306, 307, 308, 309, 260, 310, 305, 311 and 259 situated at Mouza Gangpar Dhumkar, village Lakshmi Sahar of Hailakandi Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hailakandi on 21-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 2 (two) Bigha 11 (eleven) Katha 7 (seven) chattak along with houses of assam type incasing an area of 1,000 sq. ft. situated at Lakshmi Sahar of Hailakandi Town in the district of Cachar (Assam).

R. N. BARA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-3-78

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ram Rang S/o Ram Dittal Mal
(Transferor)
- (2) Shri Laxman Kumar Puri and
Shri Darshan Kumar Puri
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1979

Ref. No. 27-2/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moradabad on 10-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 500 Syds. situate at Civil Lincs, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G (No. 3876) duly registered on 10-8-78 at the office of the Sub Registrar, Moradabad.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 17-2-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1979
F13/3/78-F1(B)

New Delhi, the 31st March 1979

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 21st August, 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 31st March, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100, (including 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 7 vacancies for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders, Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1979. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1979 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 14th May, 1979 (28th May, 1979) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th May, 1979 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th May, 1979.

5 Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made in a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidate should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 5 and 6 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (see para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAGETED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1979. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate

recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Some times the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of Birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidates must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THE AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.